▪ भाद्रपद कृष्णा - 12 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 28 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 20-08-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 असम में कुछ 'अजीब' लोग आ रहे हैं, सीमा लांघी' तो होंगे गिरफ्तार : हिमंत बिश्व शर्मा

6 साझेदारी और बराबरी से ही टिकेगा आधुनिक विवाह

7 प्रभास बहुत बड़े स्टार, फिर भी पहले सी मासूमियत बरकरार : श्रीदेवी विजयकुमार

फर्स्ट टेक

प्रधानमंत्री मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाएंगे

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने मंगलवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ वार्ता के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के आगामी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे। सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता के नए संस्करण में टेलीविजन पर दिए अपने संबोधन में डोभाल ने भारत-चीन संबंधों में ''नई ऊर्जा और गति'' के साथ-साथ सीमा पर शांति के महत्व को भी रेखांकित किया। एनएसए ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन का दौरा करेंगे और इसलिए आज की वार्ता का विशेष महत्व है। यह 31 अगस्त और एक सितंबर को शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मोदी की चीनी शहर तियानजिन यात्रा की पहली आधिकारिक पुष्टि है।

तीन दिन की यात्रा पर रूस रवाना होंगे जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर आज रूस की तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे जहां वह रूस के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के अलावा भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि डॉ. जयशंकर कि यह यात्रा रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के निमंत्रण पर हो रही है। यात्रा के दौरान वह बुधवार को निर्धारित भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्री मॉस्को में भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक को भी संबोधित करेंगे।

ताइवान पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है : सरकारी सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। ताइवान पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और नई दिल्ली के ताइवान के साथ आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित रिश्ते हैं। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह स्पष्टीकरण ऐसे वक्त में आया है जब चीनी मीडिया में खबरें हैं कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात के दौरान यह पुन: पुष्टि की कि नई दिल्ली, ताइवान को चीन का हिस्सा मानता है। ऐसी जानकारी है कि जयशंकर ने वांग के साथ वार्ता में ताइवान मुद्दे पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने कहा, ताइवान पर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं है।

भारत और चीन के संबंध वैश्विक शांति व समृद्धि में योगदान देंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान चीन के साथ सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया तथा सीमा संबंधी मुद्दों के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

मोदी ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर, पूर्वानुमानित और रचनात्मक संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के आगामी शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे वांग ने मोदी को शी की ओर से एक संदेश और एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए निमंत्रण सौंपा।

भारत और चीन द्वारा पूर्वी लद्दाख में गतिरोध समाप्त करने पर सहमति जताए जाने के दो दिन बाद, मोदी और शी ने पिछले साल अक्टूबर में रूसी शहर कज़ान में मुलाकात की थी। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने तथा सीमा विवाद को सुलझाने के लिए कई तंत्रों को बहाल करने पर सहमति व्यक्त की थी। वांग की यात्रा को दोनों पड़ोसियों द्वारा अपने संबंधों को फिर से सुधारने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। वर्ष 2020 में गलवान घाटी में संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया था।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''विदेश मंत्री वांग यी से मिलकर खुशी हुई। पिछले वर्ष कज़ान में राष्ट्रपति शी के साथ मेरी मुलाकात के बाद से भारत-चीन संबंधों में एक-दूसरे के हितों और संवेदनशीलता के सम्मान के साथ निरंतर प्रगति हुई है।''

चीन उर्वरकों, दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति भारत को बहाल करने के लिए सहमत

नई दिल्ली/भाषा। चीन ने भारत को उर्वरकों और दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति से जुड़े प्रतिबंधों में ढील देने पर सहमति जताई है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर को उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने इस मुद्दे पर हुई प्रगति से अवगत कराया। भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए वांग ने सोमवार को जयशंकर के साथ अपनी वार्ता के दौरान यह आश्वासन दिया। सूत्रों ने बताया कि चीन ने भारत की तीन प्रमुख चिंताओं का समाधान करने का वादा किया है।

भारत-चीन संबंध अब और मजबूत हुए हैं : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि पिछले नौ महीनों में भारत-चीन संबंधों में सुधार आया है क्योंकि सीमा पर शांति बनी हुई है। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा पर तनाव कम करने और संबंधित मुद्दों पर बातचीत की।

डोभाल और वांग ने विशेष प्रतिनिधि तंत्र के ढांचे के तहत 24वें दौर की वार्ता की, जिसके एक दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात की थी।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारतीय पक्ष ने सीमापार आतंकवाद सहित सभी तरह के आतंकवाद के मुद्दे को दृढ़ता से उठाया और याद दिलाया कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मूल उद्देश्यों में से एक आतंकवाद की बुराई का मुकाबला करना है।

चीन में आयोजित होने जा रहे वार्षिक एससीओ शिखर सम्मेलन में एक पखवाड़े से भी कम समय बचा है। बयान में कहा गया कि जयशंकर ने यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी) के निचले हिस्से में चीन द्वारा किए जा रहे एक विशाल बांध के निर्माण के संबंध में भारत की चिंताओं को भी रेखांकित किया, क्योंकि इसका निचले तटवर्ती राज्यों पर प्रभाव पड़ेगा।

कर्नाटक विस ने दी 'गिग' कर्मियों के कल्याण संबंधी विधेयक को मंजूरी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक विधानसभा ने 'गिग' श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, उनकी सामाजिक, व्यावसायिक और स्वास्थ्य सुरक्षा की जिम्मेदारी उनके 'एग्रीगेटर' को देने संबंधी एक विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी। कर्नाटक प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स (सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2025, विभिन्न श्रेणियों के समन्वयकों या प्लेटफॉर्म के लिए प्रत्येक लेनदेन के दौरान कार्यकर्ता को भुगतान के 1 से 5 प्रतिशत का कल्याण शुल्क प्रस्तावित करता है। विधेयक में विवाद समाधान तंत्र उपलब्ध कराने के लिए स्वचालित निगरानी और निर्णय लेने की प्रणालियों में पारदर्शिता, गिग श्रमिक कल्याण बोर्ड की स्थापना, मंच आधारित गिग श्रमिकों के लिए कल्याण निधि का सृजन तथा मंच आधारित गिग श्रमिकों को बोर्ड के साथ पंजीकृत होना आवश्यक करने का प्रावधान है। इसके अलावा विधेयक में एग्रीगेटर या मंच का पंजीकरण करने और मंच आधारित गिग श्रमिकों को आय सुरक्षा और उचित कार्य स्थितियों के संबंध में प्रावधान है।

हवाई अड्डों की तर्ज पर

अब रेल यात्री भी तय वजन तक ही सामान ले जा सकेंगे

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अवांछित वस्तुओं जैसे मादक पदार्थ आदि के परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने यात्रियों के लिए निर्धारित वजन से अधिक के सामान पर शुल्क लगाने की तैयारी की है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक हिमांशु शुक्ला ने 'पीटीआई भाषा' से कहा कि रेल यात्रा के दौरान बिना बुकिंग वाला सामान बहुत अधिक संख्या में देखने को मिलता है और सामान में मादक पदार्थ जैसी वस्तुएं पकड़ी जाती हैं। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डों की तरह रेलवे स्टेशनों पर भी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर प्रवेश और निकासी द्वार पर सामान की जांच करने वाली मशीन लगाने और सभी तरह के सामान की जांच करने की तैयारी की जा रही है। शुक्ला ने बताया कि हवाईअड्डों की तर्ज पर सामान में टैग लगाया जाएगा और यात्रियों से निर्धारित वजन से अधिक के सामान की बुकिंग पार्सल की दर से कराने को कहा जाएगा। मसलन, 'एसी फर्स्ट क्लास' में 70 किलोग्राम तक के वजन का सामान ले जाने की अनुमति होगी और इससे अधिक के सामान को पार्सल माना जाएगा और शुल्क वसूला जाएगा।

दुनिया की मुख्य चुनौतियों के समाधान में भारत अनिवार्य हिस्सा : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया की मुख्य चुनौतियों के समाधान का एक अनिवार्य हिस्सा है-चाहे वह 'ग्लोबल नॉर्थ' और 'ग्लोबल साउथ' के बीच असमानता से उत्पन्न मुद्दे हों, सीमा पार आतंकवाद के खतरे हों या जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां हों।

'ग्लोबल नॉर्थ' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर आर्थिक रूप से विकसित और औद्योगिक देशों के लिए किया जाता है, वहीं 'ग्लोबल साउथ' का इस्तेमाल आर्थिक रूप से कम संपन्न देशों के संदर्भ में होता है। राष्ट्रपति भवन में भारतीय विदेश सेवा (2024 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने उनसे वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को अपनाते हुए राष्ट्रहित सर्वोपरि को ध्यान में रखने को कहा।

मुर्मू ने कहा कि उनके आसपास की दुनिया भू-राजनीतिक बदलावों, डिजिटल क्रांति, जलवायु परिवर्तन और बहुपक्षवाद के संदर्भ में तेज़ी से बदलाव देख रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी 'अमृत काल' में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए हैं-एक ऐसा समय जब भारत वैश्विक मंच पर एक अग्रणी शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा, आज भारत विश्व की मुख्य चुनौतियों के समाधान का एक अनिवार्य हिस्सा है-चाहे वह 'ग्लोबल नॉर्थ' और 'ग्लोबल साउथ' के बीच असमानता से उत्पन्न मुद्दे हों, सीमा पार आतंकवाद के खतरे हों या जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां हों। उन्होंने कहा, हमारी आवाज का महत्व है। हमारे राजनयिकों के रूप में, आप भारत का पहला चेहरा होंगे जिसे दुनिया आपके शब्दों में, आपके कार्यों में और आपके मूल्यों में देखेगी। राष्ट्रपति ने कहा, हम वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को अपनाते हैं, लेकिन कृपया यह ध्यान रखें - राष्ट्रहित सर्वोपरी हो। मुर्मू ने कहा कि देश के कूटनीतिक प्रयास हमारी घरेलू ज़रूरतों और 2047 तक विकसित भारत बनने के हमारे उद्देश्य के साथ निकटता से जुड़े होने चाहिए। राष्ट्रपति ने उनसे हमारे सभ्यतागत ज्ञान- शांति, बहुलवाद, अहिंसा और संवाद के मूल्यों को अपने साथ लेकर चलने का आग्रह किया।

पूर्व न्यायाधीश

सुदर्शन रेड्डी होंगे विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्षी दलों के उम्मीदवार के रूप में रेड्डी के नाम का एलान किया। इस दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, द्रविड मुनेत्र कषगम की कनिमोझी तथा तिरुचि शिवा, शिव सेना (उद्धव) के अरविंद सावंत तथा संजय राउत, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पी संदोष कुमार, कांग्रेस के के सुरेश, के सी वेणुगोपाल तथा प्रमोद तिवारी, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन, आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव सहित कई नेता मौजूद थे।

19-08-2025 सूर्यास्त 6:38 बजे	20-08-2025 सूर्योदय 6:08 बजे
BSE 81,644.39 (+370.64)	NSE 24,980.65 (+103.70)
सोना 10,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 117,035 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कटघरे में कानून

फाँसी या उम्र कैद से क्या,
अपराधी सचमुच डर लेगा?
धाराओं की कारा में क्या,
गंदे मनसूबे हर लेगा?
जज ही जब खड़े कटघरे में,
कानून सख्त क्या कर लेगा?
जेबों में बैठ समर्थों की,
खुद को ताकों में धर लेगा।।

रिसाव के चलते 'एक्सिओम 4' मिशन 'विनाशकारी' होता : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत के शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस ले जाने वाले रॉकेट की मुख्य 'फीड लाइन' में दरार की पहचान की थी जिसके कारण प्रक्षेपण कार्यक्रम में बदलाव किया गया।

हैदराबाद/भाषा। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने मंगलवार को कहा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने भारत के शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस ले जाने वाले रॉकेट की मुख्य 'फीड लाइन' में दरार की पहचान की थी जिसके कारण प्रक्षेपण कार्यक्रम में बदलाव किया गया। उन्होंने कहा कि यदि इस समस्या के साथ मिशन जारी रहता तो यह एक ''विनाशकारी विफलता'' साबित होता। उन्होंने बताया कि इस दरार के कारण 'एक्सिओम-4' मिशन (एक्स-4) को उसी महीने 11 जून के बजाय 25 जून के लिए स्थगित करना पड़ा था।

नारायणन ने यहां उस्मानिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा से पहले की घटनाओं का विवरण देते हुए कहा कि अमेरिका के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र में डेरा डाले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की टीम को 10 जून को रॉकेट में खामी के बारे में पता चला, जिसके बाद भारतीय वैज्ञानिकों ने इस मुद्दे की विस्तृत पड़ताल करने को कहा।

अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने कहा, कुल 14 प्रश्न पूछे गए थे और किसी भी प्रश्न का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया, जिसमें यह भी शामिल था कि रिसाव कहां था। इसकी पहचान नहीं हो पाई। हमने संपूर्ण सुधार की मांग की, क्योंकि हम बहुत स्पष्ट थे। चूंकि मैं 40 वर्षों से उस क्षेत्र में काम कर रहा हूं, इसलिए मुझे पता है कि यदि कोई रॉकेट रिसाव के साथ उड़ान भरता है तो क्या कठिनाई होती है।

इसके बाद, भारत सरकार की मांग के आधार पर भारतीय टीम ने एक नोट प्रस्तुत किया और संपूर्ण रिसाव को ठीक कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा निरीक्षण किए जाने और मुख्य फीड लाइन में दरार पाए जाने पर 11 जून को निर्धारित पहला प्रक्षेपण रद्द कर दिया गया।

नारायणन ने कहा, अगर रॉकेट (रिसाव के साथ) उड़ान भरता, तो यह एक विनाशकारी विफलता होती।

मणिका विश्वकर्मा बनीं मिस इंडिया यूनिवर्स

जयपुर/भाषा। राजस्थान के गंगानगर निवासी मणिका विश्वकर्मा ने मिस इंडिया यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया है और वह इस साल के अंत में थाईलैंड में होने वाली 74वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। विश्वकर्मा (22) ने 18 अगस्त को जयपुर के ज़ी स्टूडियो में आयोजित एक भव्य समारोह में यह खिताब अपने नाम किया। मंगलवार तड़के तक चले इस समारोह में विश्वकर्मा को मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा ने ताज पहनाया। उत्तर प्रदेश की 22 वर्षीय तान्या शर्मा प्रथम उपविजेता रहीं और हरियाणा की 19 वर्षीय महक ढींगरा द्वितीय उपविजेता रहीं। हरियाणा की 23 वर्षीय अमीषी कौशिक और मणिपुर की 24 वर्षीय सारंगथेम निरूपमा क्रमशः तीसरी और चौथी उपविजेता रहीं।

महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश से 10 लोगों की मौत, अगले 48 घंटे अहम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के अधिकतर हिस्सों में मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश से जुड़ी घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई लगभग थम सी गई, संपत्तियों और फसलों को नुकसान पहुंचा और सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा।

मुंबई और उसके महानगरीय क्षेत्र में रेल सेवाएं और उड़ानों के प्रभावित होने के अलावा, विदर्भ क्षेत्र के गडचिरोली और मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़ सहित अन्य जिलों में भारी बारिश हुई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आपदा प्रबंधन विभाग के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के बाद कहा कि अगले 48 घंटे मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए महत्वपूर्ण होंगे, जहां 'हाई अलर्ट' घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में बादल फटने जैसी स्थिति के कारण आई बाढ़ में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि मुंबई में लगभग 300 मिमी की रिकॉर्ड बारिश हुई। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण 12 से 14 लाख एकड़ भूमि में लगी फसलों को नुकसान हुआ है। फडणवीस ने कहा कि बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है और जल प्रबंधन के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

मोनोरेल ट्रेन दो स्टेशन के बीच फंसी, 200 यात्रियों को निकाला गया

मुंबई/भाषा। मुंबई में भारी बारिश के बीच मंगलवार शाम को मैसूर कॉलोनी और भक्ति पार्क स्टेशन के बीच एक मोनोरेल ट्रेन बिजली परोक्ष तौर पर बिजली आपूर्ति में दिक्कत आने के कारण फंस गई। बचाव कार्य के दौरान 200 से अधिक यात्रियों को निकल लिया गया। मुंबई के अतिरिक्त नगर आयुक्त अश्विनी जोशी ने बताया कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से ट्रेन रुक गई और इसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि मोनोरेल से 200 से अधिक यात्रियों को निकाल लिया गया है और बचाव कार्य जारी है। फंसी ट्रेन से निकाले गए यात्रियों ने बताया कि एलिवेटेड ट्रैक पर चलने वाली ट्रेन के अंदर दहशत का माहौल था और कई लोगों ने दम घुटने की शिकायत की क्योंकि वातानुकूलन प्रणाली बंद हो गई थी।

'जीतो' नॉर्थ द्वारा आयोजित होने वाले 'जीतो ज़ेवर एक्स्पो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ द्वारा 5 सितम्बर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 'जीतो ज़ेवर एक्स्पो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' एक्स्पो की तैयारियाँ अपनी चरम सीमा पर हैं। पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरावासनी सभागार में 1 लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल में इस एक्स्पो का आयोजन होने जा रहा है। राजाजीनगर कार्यालय में आयोजित तैयारियों को लेकर महत्त्वपूर्ण बैठक में नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने एक्स्पो की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यह आयोजन पूरे भारत में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा। उन्होंने बताया कि इस एक्स्पो में देशभर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं विशेष अतिथि शामिल होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम मेहमाननवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। प्रतिदिन आने वाले पहले 1000 विज़िटर्स के लिए हैप्पिलो कम्पनी की ओर से विशेष गिफ्ट की व्यवस्था रहेगी। महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्य की सुचारू रूप से क्रियान्विति और उसे और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीम वर्क और पारदर्शिता ही इस एक्सपो की सफलता की कुंजी होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से समर्पण और पूरी निष्ठा के साथ योगदान देने का आग्रह किया। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक निर्मल ज्वेलर्स, संजय नगर तथा सह-प्रायोजक ड्रेस कोड हैं। कोषाध्यक्ष नरेन्द्र आच्छा ने एक्सपो के लिए जीएसटी रिपोर्ट प्रस्तुत की। एक्स्पो के संयोजक सुरेश गन्ना ने अब तक की तैयारियों पर विस्तृत जानकारी दी और आगे की योजनाओं पर विचार साझा किए। ङ्जीतो लेडीज़ विंग के संयोजक नेमीचंद दलाल ने ब्राइडल स्टोरी के संबंध में जानकारी साझा की। अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न विषयों की जानकारी दी। नरेन्द्र आच्छा ने सभी को धन्यवाद दिया।

संसद ने दी खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने मंगलवार को देश के खनन क्षेत्र के विनियमन और खनिजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रावधानों वाले 'खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025' को पारित कर दिया।

राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा एवं खान और खनन मंत्री जी किशन रेड्डी के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस एवं कई अन्य दलों के सदस्य मौजूद नहीं थे। विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया था। रेड्डी ने विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि इस विधेयक के माध्यम से खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में छह संशोधन संसद के सामने लाए गए हैं जो खान क्षेत्र के हित में हैं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में अति महत्वपूर्ण (क्रिटिकल) खनिजों की बेहद मांग है और सोलर पैनल से लेकर विंड टर्मिनल तक, बिजली से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, सेलफोन से लेकर विमानों तक, खेती से लेकर रक्षा और अंतरिक्ष तक हर क्षेत्र में इनकी जरूरत है। खान मंत्री ने कहा कि लिथियम जैसे अति महत्वपूर्ण खनिज की आपूर्ति सुगम बनाने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश में खनिज उत्पादन को बढ़ाने में इस विधेयक के प्रावधानों से मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने 24 'अत्यंत महत्वपूर्ण खनिजों' को

शुल्क रहित आयात करने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने इसके लिए 'क्रिटिकल मिनरल मिशन' बनाने की पहल की है। इस विधेयक के माध्यम से सरकार का लक्ष्य लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा तत्वों सहित बेहद जरूरी खनिजों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। खान मंत्री रेड्डी ने कहा कि खनन क्षेत्र में सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ रही है और उत्पादन को बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना के चलते सभी पक्षों को विश्वास में लिया गया है जिसका परिणाम इस क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि ''विकसित भारत'' का लक्ष्य पूरा करने के संकल्प और विश्व में अहम भूमिका निभाने के उद्देश्य के साथ पूरी ईमानदारी के साथ काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा ''2014 से पहले खनन क्षेत्र में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद था और लोगों का भरोसा खत्म हो चुका था। तब नीति पंगुता का दौर था। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। राजग सरकार के अथक प्रयासों का नतीजा है कि आज भारत दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक देश बन चुका है और देश में कोयले का आयात घटा है। रेड्डी ने कहा कि आज स्थिति यह है कि कोयला ब्लॉक का आवंटन निविदा के माध्यम से किया जाता है और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि आज देश में बिजली संकट बिल्कुल नहीं है क्योंकि बिजली के लिए जितने कोयले की जरूरत है, उतना कोयला देने के लिए सरकार तैयार है। उन्होंने कहा कि खनिज राष्ट्र की संपदा है और इसका उपयोग राष्ट्र के विकास के लिए होना चाहिए।

रेड्डी ने कहा कि नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग से खनिजों के उत्पादन में वृद्धि हुई है और उनका राजस्व भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी व्यवस्था के तहत पूरी राशि राज्यों को दी जाती है। रेड्डी के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके बाद चार बज कर 45 मिनट पर उच्च सदन की बैठक को बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

सरकार ने 30 सितंबर तक कपास के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता सुधारने के मकसद से 30 सितंबर तक कच्चे कपास के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इस कदम से अमेरिका को फायदा मिलने की उम्मीद है। कपास पर अब तक कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर के साथ 11 प्रतिशत का आयात शुल्क भी लगता रहा है। वित्त मंत्रालय की 18 अगस्त की अधिसूचना के अनुसार, शुल्क छूट 19 अगस्त से प्रभावी होगी और 30 सितंबर तक लागू रहेगी। आयात शुल्क समाप्त करने से कपड़ा क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है। भारत द्वारा आयात शुल्क में राहत ऐसे समय में दी गई है जब कपड़ा क्षेत्र सहित भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। अभी अमेरिकी शुल्क 25 प्रतिशत है। 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क (जुर्माना) 27 अगस्त से प्रभावी होगा। यह शुल्क भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर दंड के रूप में लगाया गया है। इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए, शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत ने कम आपूर्ति से निपटने और फसल आने के मौसम से पहले कीमतों को स्थिर करने के लिए कच्चे कपास पर आयात शुल्क 40 दिन के लिए निलंबित कर दिया है।

भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को 121 किलो सोना दान करेगा भक्त : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के एक भक्त ने अपनी उद्यमशील सफलता के लिए कृतज्ञता स्वरूप भगवान को 121 किलोग्राम सोना दान करने का फैसला किया है। इस सोने की कीमत लगभग 140 करोड़ रुपए है।

नायडू ने कहा कि वह (भक्त) एक कंपनी स्थापित करना चाहता था और इसमें उसे सफलता हासिल हुई।

मंगलागिरी में 'गरीबी उन्मूलन' कार्यक्रम पी4 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, उस भक्त ने ईश्वर को कुछ लौटाने का फैसला किया है। अब वह वेंकटेश्वर स्वामी को 121 किलोग्राम सोना दे रहा है।

नायडू ने कहा कि उक्त भक्त गुमनाम रहना चाहता है। उन्होंने बताया कि भक्त ने अपनी कंपनी के

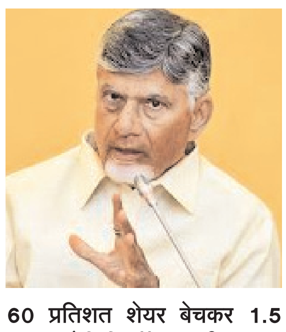

60 प्रतिशत शेयर बेचकर 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 6,000 करोड़ रुपए से 7,000 करोड़ रुपए अर्जित किए और उनका मानना है कि यह समृद्धि उन्हें श्री वेंकटेश्वर स्वामी की कृपा से प्राप्त हुई, इसलिए उन्होंने भगवान को दान करने का निर्णय लिया।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख ने बताया कि भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की मूर्ति को प्रतिदिन लगभग 120 किलो सोने के आभूषणों से सजाया जाता है। उन्होंने बताया कि जब उन्हें इस बात का पता चला, तो एक भक्त ने आगे आकर 121 किलो सोना दान करने के लिए कहा।

डाक विभाग ने 5,800 करोड़ रुपए की उन्नत डाक प्रौद्योगिकी देशभर में लागू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। डाक विभाग ने 5,800 करोड़ रुपए की लागत वाली 'उन्नत डाक प्रौद्योगिकी' (एपीटी) पूरे देश में लागू कर दी है जिससे विभाग को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक लॉजिस्टिक संगठन के रूप में बदला जा सकेगा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस उन्नत मंच के जरिये डाकघर अब किसी भी बैंक के ग्राहकों से यूपीआई भुगतान स्वीकार कर सकेंगे। अभी तक तकनीकी कारणों से यूपीआई भुगतान डाकघरों में केवल इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खातों तक ही सीमित था।

एपीटी की मदद से डाक विभाग को विश्वस्तरीय संगठन बनाने के लिए मोबाइल आधारित सेवाएं तथा वास्तविक समय में निर्णय लेने की सुविधा का

इस्तेमाल किया जाएगा। सिंधिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, डाक विभाग की तरफ से पूरे देश में उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) लागू किए जाने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह भारत की डिजिटल यात्रा में ऐतिहासिक कदम है।

आईटी 2.0 के तहत 5,800 करोड़ रुपए के निवेश से समर्थित एपीटी डाक विभाग को विश्वस्तरीय सार्वजनिक लॉजिस्टिक संगठन में बदल देगा। सिंधिया ने कहा कि एपीटी मंच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण के अनुरूप एक पूर्णत: स्वदेशी प्रौद्योगिकी है।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी 'वास्तविक समय में निर्णय लेने, ई-कॉमर्स की पहुंच बढ़ाने, स्वचालन से परिचालन लागत घटाने और नागरिक-प्रथम, मोबाइल-सक्षम सेवाएं कहीं भी और कभी भी देने' में सक्षम बनाएगी।

भारत, अमेरिका वस्तुओं के व्यापार को उदार बनाने पर बातचीत कर रहे हैं : जितिन प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को संसद में कहा कि भारत और अमेरिका एक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं तथा वार्ता के एक हिस्से के तहत दोनों पक्ष गैर-संवेदनशील कृषि उत्पादों सहित वस्तुओं के व्यापार के उदारीकरण पर चर्चा कर रहे हैं।

गैर-संवेदनशील कृषि उत्पादों को आम तौर पर उन उत्पादों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो अक्सर उनके कम आर्थिक या रणनीतिक महत्व के कारण विशेष व्यापार प्रतिबंधों या संरक्षण के अधीन नहीं होते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सरकार भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों और आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए कृषि, कृषि विशेषज्ञों सहित

सभी संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका एक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। बातचीत के एक हिस्से के रूप में, अन्य बातों के अलावा, दोनों पक्ष गैर-संवेदनशील कृषि उत्पादों सहित वस्तुओं के व्यापार के उदारीकरण पर चर्चा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य व्यापार का विस्तार करना और भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रगाढ़ करना है। उन्होंने अपने लिखित जवाब में उल्लेख किया कि सरकार देश के राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने तथा किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की हिफाजत और कृषि क्षेत्र के कल्याण के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रस्तावित बीटीए पर अब तक दोनों देशों के बीच पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। अमेरिकी दल ने हाल ही में छठे दौर की वार्ता के लिए अपनी यात्रा स्थगित कर दी, जो 25 अगस्त से शुरू होने वाली थी। एक अन्य प्रश्न के लिखित जवाब में मंत्री ने कहा कि भारत से अमेरिका को निर्यात की जाने वाली कुछ वस्तुओं पर 7 अगस्त से 25 प्रतिशत की दर से जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाया गया है। इसके अलावा, भारत से निर्यात की जाने वाली कुछ वस्तुओं पर 27 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है।

मंत्री ने कहा, सरकार ने अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने पर गौर किया है। उन्होंने बताया कि ऐसा अनुमान है कि अमेरिका को भारत के लगभग 48.2 अरब अमेरिकी डॉलर के वाणिज्यिक निर्यात (2024 के व्यापार मूल्य के आधार पर) पर उपरोक्त अतिरिक्त टैरिफ लागू होंगे।

जम्मू-कश्मीर : कैलाश कुंड यात्रा को प्रतीकात्मक अनुष्ठानों तक सीमित किया

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बुधवार से शुरू होने वाली तीन दिवसीय कैलाश कुंड यात्रा को हाल ही में बादल फटने की घटनाओं और खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण इस साल प्रतीकात्मक अनुष्ठानों तक सीमित कर दिया गया है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

डोडा के उपायुक्त हरविंदर सिंह ने इच्छुक तीर्थयात्रियों से अनुरोध किया कि वे वार्षिक यात्रा में शामिल होने का कोई प्रयास न करें। इस यात्रा में आमतौर पर केंद्र शासित प्रदेश के भीतर और बाहर से हजारों श्रद्धालु आते हैं। करीब 14,700 फुट ऊंचे कैलाश कुंड की तीर्थयात्रा सबसे कठिन तीर्थयात्राओं में से एक मानी जाती है, क्योंकि तीर्थयात्रियों को इस ऊंचे मंदिर में दर्शन करने के लिए कैलाश पर्वत श्रृंखला की 18 किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है।

'नांदेड़ में बाढ़ से आठ व्यक्तियों की मौत, मुंबई में रिकॉर्ड 300 मिलीमीटर बारिश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में बादल फटने जैसी स्थिति के कारण आयी बाढ़ में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि मुंबई में करीब 300 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

फडणवीस ने साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण 12 से 14 लाख एकड़ भूमि पर लगी फसलें नष्ट हो गई हैं। उन्होंने कहा कि 12-14 लाख एकड़ क्षेत्र में फसल क्षति के अलावा नांदेड़ जिले में आठ लोगों की मौत हो गई है और मवेशियों की भी हानि हुई है। फडणवीस ने कहा, कुल

मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है। मुंबई में लगभग 300 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली उपनगरीय ट्रेन या तो धीमी हो गई हैं या देरी से चल रही हैं। मीठी नदी (मुंबई में) खतरे के निशान तक पहुंच गई है और 400 से 500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे स्थिति पर नजर रख हुए हैं। शिंदे लगातार दूसरे सप्ताह कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हुए।फडणवीस ने कहा कि प्रशासन ने शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालयों में छुट्टी की घोषणा की है और निजी कार्यालयों से कहा है कि जहां तक संभव हो, घर से काम करने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा, स्थिति अब नियंत्रण में है। शाम को उच्च ज्वार आने की संभावना है और हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल अलर्ट पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांधों से पानी के प्रबंधन के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अनियंत्रित जलग्रहण क्षेत्र चिंता का विषय हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला कलेक्टर को एनडीआरएफ नियमों के अनुसार, मवेशियों की क्षति, मकानों की क्षति और जानमाल के नुकसान के लिए प्रभावित व्यक्तियों को वित्तीय सहायता देने के संबंध में निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है।

"भारत" ब्रांड के तहत अप्रैल 2025 से दालों की खुदरा बिक्री बंद

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को बताया कि 2023-24 और 2024-25 में ''भारत'' ब्रांड के तहत चना दाल, मूंग दाल और मसूर दाल खुदरा स्तर पर उपलब्ध कराई गई थी लेकिन अप्रैल 2025 से दालों की खुदरा बिक्री बंद कर दी गई, क्योंकि दालों के दाम स्थिर हो गए हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बाम्भनिया ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी बताया कि ''भारत आटा'' और ''भारत चावल'' की आपूर्ति आगामी वर्ष में भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि ''भारत आटा'' छह नवम्बर 2023 और ''भारत चावल'' छह फरवरी 2024 को आम उपभोक्ताओं को सब्सिडी दर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए गए थे। यह वितरण खुले बाजार बिक्री योजना (घरेलू) यानी ओएमएसएस (डी) के तहत किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि ओएमएसएस (डी) की 2024-25 की नीति नौ जुलाई 2024 को जारी की गई थी, जिसके तहत इन उत्पादों की बिक्री केंद्रीय सहकारी संस्थाओं के माध्यम से 30 जून 2025 तक हुई।

उन्होंने बताया कि अब 2025-26 के लिए नई नीति 10 जुलाई 2025 को अधिसूचित की गई है, जिसके तहत 'एनएएफईडी, एनसीसीएफ' और केंद्रीय भंडार जैसी संस्थाओं को गेहूं और चावल की आपूर्ति जारी रहेगी, ताकि ''भारत'' ब्रांड के तहत खाद्यान्न वितरण सुचारू रूप से हो सके। बाम्भनिया ने बताया कि 2023-24 और 2024-25 में ''भारत'' ब्रांड के तहत चना दाल, मूंग दाल और मसूर दाल भी खुदरा स्तर पर उपलब्ध कराई गई थी।

हार के बाद इज्जत बचाने के लिए 'वोट चोरी' जैसे आरोप लगाना कांग्रेस की परिपाटी : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गैरसैंण/भाषा। उत्तराखंड में हाल में संपन्न पंचायत चुनावों में धांधली का आरोप लगाने वाली कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि हार के बाद अपनी इज्जत बचाने के लिए 'वोट चोरी, ईवीएम हैक' होने जैसे आरोप लगाना विपक्षी पार्टी की परिपाटी बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में निष्पक्ष पंचायत चुनाव हुए हैं और एकाध जगह कानून-व्यवस्था की जो स्थिति खराब हुई है, उसे लेकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस जीतती है, वहां कोई गड़बड़ी नहीं होती। धामी ने इस संबंध में देहरादून जिला पंचायत अध्यक्ष तथा बाजपुर में ब्लॉक प्रमुख के पद पर कांग्रेस की जीत का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कोई गड़बड़ी नहीं हुई।

धामी ने कहा कि पूरे देश में अब इनकी पार्टी (कांग्रेस) की यह आदत बन गई है कि जब भी वे किसी चुनाव में हारते हैं, तो अपनी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम को दोषी ठहराते हैं, कभी निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाते हैं, कभी प्रशासन या सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं और कभी 'वोट चोरी' की बात कहने लगते हैं, ताकि अपनी इज्जत बचाई जा सके। उन्होंने कहा कि जनता भलीभांति जानती है कि कांग्रेस के कालखंडों में किस प्रकार से वोटों की चोरी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा, जिस नैनीताल की बात हो रही है, वहां जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर हमारी पार्टी की प्रत्याशी दीपा दर्मवाल निर्वाचित हुई हैं और वहीं उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस निर्वाचित हुई है। अगर यह निष्पक्ष चुनाव नहीं होता तो दोनों ही पद भाजपा को मिलते। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के अलावा लोकसभा, विधानसभा, नगर निकाय आदि सभी चुनावों में भाजपा को मिली भारी जीत के कारण कांग्रेस में हताशा और निराशा भर गई है।

विजय गोयल ने कुत्ता प्रेमियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के नेता विजय गोयल ने आरोप लगाया कि ''स्वयंभू'' कुत्ता प्रेमी आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के क्रियान्वयन में बाधा डाल रहे हैं।

गोयल ने कहा कि वह कुत्ता प्रेमियों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करेंगे। 'नो डॉग्स ऑन स्ट्रीट्स' अभियान के आयोजक गोयल ने रोहिणी के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के समक्ष भी एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि एक आवारा कुत्ते को छुड़ाए जाने की घटना के दौरान एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) के कर्मचारियों के साथ कुत्ता प्रेमियों ने कथित रूप से दुर्व्यवहार किया। गोयल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह केवल अदालत की अवमानना ही नहीं, बल्कि सरकारी कर्मचारियों को उनके कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने का भी मामला है। जिन लोगों ने एमसीडी कर्मचारियों के साथ मारपीट की और कुत्ते को छुड़वाया, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

अंतरिक्ष में 75 टन भार ले जाने के लिए 40 मंजिला ऊंचे रॉकेट पर काम कर रहा है इसरो : नारायणन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी एक ऐसे रॉकेट पर काम कर रही है, जिसकी ऊंचाई 40 मंजिला इमारत जितनी होगी और जो 75,000 किलोग्राम भार वाले 'पेलोड' को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में सक्षम होगा।

नारायणन ने यहां उस्मानिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा कि इस वर्ष इसरो ने कई महत्वपूर्ण मिशन तय किए हैं, जिनमें 'नेविगेशन विद इंडिया कॉन्स्टेलेशन सिस्टम' (एनएवीआईसी) सैटेलाइट, एन1 रॉकेट और भारतीय रॉकेट के जरिये अमेरिका के 6,500 किलोग्राम वजनी संचार उपग्रह को कक्षा में स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि 2035 तक 52 टन वजनी अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण हो जाएगा, जबकि इसरो शुक्र ऑर्बिटर मिशन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, फिलहाल हम अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान पर काम कर रहे हैं। आप जानते हैं कि रॉकेट की क्षमता क्या है? डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा निर्मित पहला प्रक्षेपण यान 17 टन का था, जो 35 किलोग्राम भार को निचली पृथ्वी कक्षा में स्थापित कर सकता था। आज हम 75,000 किलोग्राम भार ले जाने वाले रॉकेट की कल्पना कर रहे हैं, जिसकी ऊंचाई 40 मंजिला इमारत जितनी होगी। उन्होंने बताया कि इसरो ने इस वर्ष 'टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेशन सैटेलाइट' (टीडीएस) और जीसैट-7आर (भारतीय सेना के लिए संचार उपग्रह) सहित कई उपग्रहों का प्रक्षेपण करने की योजना बनायी है। उन्होंने कहा कि जीसैट-7आर विशेष रूप से भारतीय नौसेना के लिए डिजाइन किया गया है और यह जीसैट-7 (रुक्मिणी) उपग्रह की जगह लेगा।

नारायणन ने कहा कि फिलहाल भारत के 55 उपग्रह अंतरिक्ष में सक्रिय हैं और आने वाले तीन से चार वर्षों में यह संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक की सफल यात्रा और वापसी से पहले की घटनाओं का क्रम बताते हुए उन्होंने कहा कि मूल परियोजना 11 जून के लिए निर्धारित थी, हालांकि, एक दिन पहले उनके नेतृत्व वाली टीम द्वारा रॉकेट में रिसाव की पहचान करने के बाद इसे 25 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उन्होंने कहा, उसके साथ अगर रॉकेट उड़ान भर लेता, तो वह एक भयावह विफलता होती। भारतीयों के आग्रह पर, भारतीय शिक्षा प्रणाली और इसरो के प्रशिक्षण के आधार पर, रॉकेट को सही किया गया।

निगम स्वतत्र रूप से कार्य करेंगे : डीके शिवकुमार

विधानसभा में ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन संशोधन विधेयक-2025 पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन संशोधन विधेयक, 2025 मंगलवार को विधानसभा में पारित हो गया। बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सदन में विधेयक पेश किया। विपक्षी नेताओं और विधायकों द्वारा चर्चा के बाद इसे मंजूरी दे दी गई।

बृहत्तर बेंगलूरु प्रशासन संशोधन विधेयक, 2025 पेश करते हुए शिवकुमार ने कहा, इसमें एक छोटा सा स्पष्टीकरण दिया जाना है। क्योंकि विधेयक पारित होने के बावजूद, कुछ लोगों ने अदालत में याचिका दायर कर दी थी। इसलिए, इस विधेयक में यह स्पष्ट किया गया है कि बृहत्तर बेंगलूरु प्राधिकरण संविधान के 74वें संशोधन के अंतर्गत आने वाले निगमों के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

भाजपा विधायक सुरेश कुमार द्वारा इस संशोधन के उद्देश्य और प्रभाव के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए, शिवकुमार ने कहा, किसी ने न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की है कि वर्तमान कानून के अनुसार, जीबीए के तहत गठित निगमों के कामकाज में प्राधिकरण को हस्तक्षेप करने की अनुमति है। उन्होंने आपत्ति जताई थी कि निगमों को सरकार के नियंत्रण में लिया जा रहा है। इसलिए, वर्तमान संशोधन विधेयक में इस बिंदु को हटा दिया गया है। निगमों को सरकार के नियंत्रण में नहीं लिया जाएगा। निगम स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगे। यह संशोधन यह स्पष्ट करने के लिए लाया गया है कि निगमों के कामकाज में जीबीए का कोई हस्तक्षेप नहीं है। जब भाजपा विधायक अश्वथ नारायण ने पूछा कि आपने इसे कैसे नियंत्रित किया, अब इसे वापस क्यों लिया और अदालत में याचिका दायर करने वालों की क्या आपत्तियाँ थीं, तो शिवकुमार ने जवाब दिया, अगर अदालत इस जनहित याचिका को मंज़ूरी नहीं भी देती है, तो भी हम यह संशोधन इसलिए ला रहे हैं ताकि भविष्य में कोई भ्रम न रहे। हमारी मंशा यह है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता द्वारा चुने गए महापौर और निगम सदस्यों के पास पूरी शक्ति हो। मुझे नहीं पता कि आप सत्ता में होंगे या नहीं। लेकिन हमने इसे हटा दिया है ताकि भ्रम की कोई गुंजाइश न रहे।

विधायकों की चर्चा के बाद बोलते हुए शिवकुमार ने कहा, मैंने जो स्पष्टीकरण दिया, वह सुरेश कुमार और अशोक को समझ में आ गया। लेकिन अश्वथ नारायण, जो बहुत पढ़े-लिखे हैं, उन्हें समझ नहीं आया। मैंने ग्रामीण विकास और शहरी विकास की पढ़ाई की है। मैंने 47 साल की उम्र में अपनी डिग्री पूरी की। राजनीति विज्ञान में, स्थानीय निकाय विषय में मुझे सबसे ज़्यादा अंक मिले थे। 73वें और 74वें संशोधन के दौरान राजीव गांधी कर्नाटक आए थे। तब मैंने उनसे इस संशोधन के उद्देश्य के बारे में पूछा था। पंचायत से लेकर संसद तक नेता होने चाहिए। इसलिए, उन्होंने कहा कि यह नेताओं को तैयार करने की नींव है। उन्होंने कहा कि पंचायत सहित स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें स्वायत्तता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी राजीव गांधी द्वारा लाए गए इस संशोधन को किसी भी कीमत पर छूने नहीं देगी। जब मैं शहरी विकास मंत्री था, तब हमने बेलूर घोषणा की थी। उस समय घोरपड़े राजस्व मंत्री थे। उस समय प्रत्येक पंचायत को केवल एक लाख रुपये दिए जाते थे। एसएम कृष्णा के कार्यकाल में इसे बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया। बाद में हमने पंचायत में 27 विभाग जोड़े और उसे और अधिक शक्ति दी। उन्होंने कहा, हमने जो छोटा सा संशोधन लाया है, उसका उद्देश्य निगमों को मजबूत करना है और इसमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। सतीश रेड्डी सहित कुछ लोगों ने कहा कि हमारे अधिकार क्षेत्र में आने वाले गांवों को शामिल नहीं किया गया है। अगर अब हम गांवों को शामिल करते हैं, तो पंचायत सदस्य को निगम सदस्य बनना होगा। इस पर फिर से आपत्ति होगी। पहले हम मौजूदा निगम क्षेत्राधिकार में चुनाव कराएंगे और फिर आप सभी के साथ चर्चा करके तय करेंगे कि किन क्षेत्रों को निगम क्षेत्राधिकार में शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, सबसे ज़्यादा कर संग्रह महादेवपुरा में होता है। बेंगलूरु शहर के अंदर ज़्यादा कर संग्रह नहीं होता। ऐसे में सरकार को आर्थिक मदद देनी चाहिए। लेकिन एक निगम से दूसरे निगम में पैसा ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। अगर ऐसा किया गया तो यहाँ फिर से संविधान के 74वें संशोधन का उल्लंघन होगा। अगर आप यह संशोधन नहीं चाहते, तो मुझे बताएँ, मैं इसे वापस ले लूँगा। हम यह संशोधन निगमों के फ़ायदे के लिए लाए हैं।

उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर स्पष्टता होनी चाहिए। बेंगलूरु को सही आकार दिया जाना चाहिए। ज़रूरत पड़े तो एक दिन की चर्चा ज़रूर करें। विपक्षी दल के लोगों को हमसे ज़्यादा अनुभव है। मैं उनके सुझावों को मानने के लिए हमेशा तैयार हूँ। अगर हमसे कोई गलती हुई है, तो हम उसे सुधारेंगे। यहाँ कोई छुपने की बात नहीं है। इसीलिए हमने सदन की एक समिति बनाई है और उस पर चर्चा की है। जहाँ तक चुनाव के मुद्दे की बात है, तो जैसा कि सतीश रेड्डी और सोमशेखर ने कहा, पहले चुनाव करवाएँ। आपत्तियाँ दर्ज करने की आखिरी तारीख़ इस महीने की 18 तारीख़ थी। राज्यपाल की मंज़ूरी की आखिरी तारीख़ 25 तारीख़ है। अंतिम अधिसूचना 2 सितंबर को जारी की जाएगी। हम विपक्षी दलों के नेताओं का सम्मान करेंगे और उनकी राय लेंगे। उन्होंने अपील की, मैं बेंगलूरु के भविष्य पर राजनीति नहीं करना चाहता, न ही करूंगा। हम नहीं चाहते कि सरकार कर संग्रह, वित्तीय स्वायत्तता, चुनाव, आरक्षण आदि किसी भी मामले में हस्तक्षेप करे। संविधान में 74वें संशोधन को पूरी तरह से संरक्षित किया गया है। यह संशोधन स्पष्टीकरण के लिए लाया गया था और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए।

चार साल की बच्ची की रेबीज से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कर्नाटक के दावणगेरे शहर में कुत्ते के काटने के बाद चार साल की बच्ची की रेबीज से मौत हो गयी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बेंगलूरु के इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान (आईजीआईसीएच) के निदेशक डॉ. संजय के. एस. ने कहा कि खंडीरा बानु का पिछले चार महीने से उपचार किया जा रहा था लेकिन रविवार को उसकी मौत हो गयी।

दावणगेरे में शास्त्री लेआउट की रहने वाली बानु पर 27 अप्रैल को एक कुत्ते ने उस समय हमला कर दिया था जब वह अपने घर के बाहर खेल रही थी। उसके चेहरे और शरीर पर कुत्ते के काटने के कई जख्म थे, इससे बाद उसे एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. संजय के अनुसार, बच्ची की हालत बिगड़ने के बाद उसे मई में आईजीआईसीएच में भर्ती कराया गया।उन्होंने कहा, ''उसे यहां आईसीयू में भर्ती कराया गया और कई जांच के बाद एंटीबॉडी की मौजूदगी के कारण रेबीज की पुष्टि हुई थी।'' उन्होंने बताया कि बच्ची की हालत स्थिर होने पर करीब एक महीने बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी और घर पर देखभाल करने के लिए कहा गया था। डॉ. संजय ने बताया कि उसे अगस्त में दोबारा अस्पताल लाया गया था और उस समय वह बेसुध थी, जिसके कारण उसे ऑक्सीजन देने के लिए नलियां लगायी गयी थीं।

उन्होंने बताया कि यह 'डम्ब रेबीज' का मामला था, जिसमें बीमारी के कारण लकवा मार जाता है न कि मरीज आक्रामक होता है। इलाज पर करीब आठ लाख रुपये खर्च आने संबंधी मीडिया में आयी खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए आईजीआईसीएच निदेशक ने कहा कि बेंगलूरु में परिवार से कोई शुल्क नहीं लिया गया। उन्होंने कहा, ''ऐसा हो सकता है कि उन्होंने दावणगेरे के निजी अस्पताल में बहुत पैसा खर्च किया हो।'' बच्ची के पिता रेहड़ी-पटरी विक्रेता हैं और मां गृहिणी है।

'दपरे' के अतिरिक्त महाप्रबंधक ने बेंगलूरु और मंड्या के बीच विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण किया

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के अतिरिक्त महाप्रबंधक केएस जैन ने 19 अगस्त को केएसआर बेंगलूरु और मंड्या के बीच विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने इस खंड पर विभिन्न परिचालन और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की। उन्होंने केंगेरी, रामनगरम, चन्नपटना और मंड्या स्टेशनों का भी निरीक्षण किया, जिनका अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। जैन ने यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के समय पर निष्पादन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने स्टेशनों पर स्वच्छता, बुनियादी ढाँचे के उन्नयन और यात्री सुविधा उपायों की भी समीक्षा की।

दपरे के बेंगलूर जनसम्पर्क अधिकारी प्रणेश केएन ने विज्ञप्ति में बताया कि निरीक्षण के दौरान उनके साथ अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण कटारकी, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) गुल अशफाक मोहम्मद, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर संचित श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर बीएस शिव प्रसाद, मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुश्री निवेदिता एस. बलराद्दियावर, और अन्य रेलवे अधिकारी भी मौजूद थे।

आईटीआई लि. को हिंदी कार्यान्वयन के लिए मिला 'द्वितीय पुरस्कार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की वर्ष 2024-25 की पहली अर्द्ध वार्षिक बैठक मंगलवार को ओल्ड एचएएल प्रबंध अकादमी परिसर में हुई। इसकी अध्यक्षता एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा नराकास (उपक्रम) के अध्यक्ष डॉ. डीके सुनील ने की।

इस अवसर पर आईटीआई लिमिटेड (पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय) को बड़े उपक्रम श्रेणी में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए 'द्वितीय पुरस्कार' दिया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में नराकास अध्यक्ष ने शील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र आईटीआई लि. की निदेशक-उत्पादन एवं निदेशक-मानव संसाधन (अतिरिक्त प्रभार) एस जयंती, महाप्रबंधक-मानव संसाधन एवं राजभाषा साजन अब्राहम और सहायक प्रबंधक-राजभाषा श्यामला एम को प्रदान किए। इस उपलब्धि पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने सभी कार्मिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान संपूर्ण आईटीआई परिवार के लिए गर्व का विषय है और संगठन को भविष्य में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा।

प्रदर्शनी

मंगलवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल के सामने हिरेबेनकल के प्रागैतिहासिक छायाचित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होर्राट्टी, पर्यटन मंत्री एच.के. पाटिल, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी, प्रशासनिक सुधार समिति के अध्यक्ष आरवी देशपांडे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

'शक्ति योजना ने सार्वजनिक परिवहन यात्रा का विश्व रिकॉर्ड बनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने सोमवार को कहा कि राज्य की 'शक्ति योजना' ने सार्वजनिक परिवहन पर सबसे अधिक महिला यात्रियों के सफर का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। मंत्री ने कहा, ग्यारह जून 2023 से 20 जुलाई 2025 के बीच 500 करोड़ महिला यात्रियों ने टिकट लेकर यात्रा की। यह उपलब्धि 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो गई है। अमेरिका स्थित 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' (जीबीडब्ल्यूआर) एक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बुक है, जिसका उद्देश्य लोगों या संगठनों को इतिहास के स्वर्णिम पन्नों' में अपना नाम दर्ज कराने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

निर्वाचन आयोग सत्तारूढ़ पार्टी के साथ 'सांठगांठ' और विपक्ष को 'धमका' रहा है : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पर सत्तारूढ़ पार्टी के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा किए गए 'वोट चोरी' के दावों का समाधान करने के बजाय, उसने विपक्ष को धमकाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग प्रत्येक नागरिक के वोट की सुरक्षा का अपना कर्तव्य ईमानदारी से पूरा नहीं करता, तब तक उसकी विश्वसनीयता संदेह के घेरे में रहेगी।

सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत के निर्वाचन आयोग ने आखिरकार अपनी बात रखी- कर्तव्यनिष्ठा से नहीं, बल्कि इसलिए कि कांग्रेस, 'इंडि' गठबंधन, नागरिक समाज और यहां तक कि उच्चतम न्यायालय ने उसे ऐसा करने के लिए मजबूर किया। और जब उसने ऐसा किया, तो उसका मुखौटा उतर गया। निष्पक्ष रेफरी की तरह व्यवहार करने के बजाय, ऐसा लग रहा था कि जैसे आयोग सीधे भाजपा की स्क्रिप्ट' पढ़ रहा हो। कल की प्रेस वार्ता में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दिया गया, इसने केवल संदेह को पुष्ट किया।

दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूचियों में सभी कमियों को दूर करना है और यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल इसके बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री ने आयोग की प्रेस वार्ता को अहंकार से भरा हुआ बताया और कहा कि आयोग ने ऐसा व्यवहार किया जैसे वह नामहीन, चेहराविहीन सूत्रों के पीछे छिपने के बजाय सीधे बोलकर कोई एहसान कर रहा हो। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन देश ने जो देखा वह जवाबदेही नहीं, बल्कि डराने और ध्यान भटकाने की कोशिश थी। राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग के आंकड़ों का इस्तेमाल करके बेंगलूरु सेंट्रल में गंभीर विसंगतियां दिखाईं। उस एक उदाहरण से स्पष्ट है कि ऐसी विसंगतियां कई अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी मौजूद हैं।

जवाब देने के बजाय, आयोग ने विपक्ष को धमकाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने कहा, यह भरोसा तब टूटता है जब निर्वाचन आयोग सवालों से बचता है, विपक्ष को धमकाता है और सत्ता में बैठे लोगों को बचाता है। भारत की जनता इसे साफ़ देख सकती है। कोई भी प्रेस वार्ता या बड़ा भाषण सच्चाई को नहीं छिपा सकता। निर्वाचन आयोग का काम हर नागरिक के वोट की सुरक्षा करना है- जब तक वह ईमानदारी से ऐसा नहीं करता, उसकी विश्वसनीयता संदेह के घेरे में रहेगी।

द्रमुक सरकार विभागों को जनता का पैसा लूटने के रूप में इस्तेमाल कर रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा भारतीय चुनाव आयोग पर लगातार किए जा रहे हमले, द्रमुक सरकार की भयावह विफलताओं से ध्यान भटकाने की एक बेशर्म चाल है। बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय, स्टालिन को विद्युत मंत्री एस.एस. शिवशंकर के नेतृत्व में तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की अराजकता की भयावह वास्तविकता का सामना करना होगा, जहाँ एक समय महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवा, जनता को लूटने का एक लुटेरा हथियार बन गई है। अब समय आ गया है कि इस असफल विभाग को आशा की किरण में बदला जाए जो तमिलनाडु के नागरिकों के लिए खुशी और राहत की किरण लौटाए। जनता की शिकायतों का समाधान करने या मंत्रियों, ज़िला कलेक्टरों और उप-सचिवों द्वारा व्यापक प्रशासनिक कदाचार पर अंकुश लगाने के बजाय, स्टालिन व्यंग्यात्मक ढंग से चुनाव आयोग पर दोष मढ़ते हैं, जिससे जायज़ विरोध और विपक्ष की आलोचनाएँ कमज़ोर पड़ जाती हैं। यह जानबूझकर किया गया ध्यान भटकाने वाला काम तमिलनाडु की जनता के रोज़मर्रा के संघर्षों को नज़रअंदाज़ करता है, जिनकी बुनियादी ज़रूरतों को एक ऐसी सरकार द्वारा बेरहमी से नज़रअंदाज़ किया जाता है जो कार्रवाई से ज़्यादा दिखावे पर केंद्रित है। चुनाव आयोग पर और झूठ उछालने से पहले, स्टालिन को बिजली क्षेत्र में हो रहे जनविरोधी अत्याचारों का सामना करना होगा। व्स्टालिन को इन घोटालों के लिए शिवशंकर को जवाबदेह ठहराना होगा, राज्य के ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा और खोखली विज्ञापन राजनीति को त्यागना होगा जो अक्षमता को खोखली बयानबाजी से छुपाती है।

स्टालिन और शिवशंकर के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार एक धोखेबाज़ और विश्वासघाती शासन के रूप में उजागर हुई है।

'धर्मस्थल' में कई हत्याओं के आरोप 'निराधार' : धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'धर्मस्थल' मंजूनाथ स्वामी मंदिर के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने सौजन्या मामले के आरोपों और करीब दो दशक में धर्मस्थल में कई हत्याओं, बलात्कारों और शवों को दफनाने के दावों को निराधार और झूठा करार देते हुए उन्हें खारिज कर दिया। हेगड़े ने इस मामले में सच्चाई सामने लाने के लिए एसआईटी जांच का स्वागत किया है।

कर्नाटक सरकार ने इन आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया, जिसने अंततः कई स्थानों पर खुदाई की, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वहां मानव अवशेष मौजूद हैं। श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर कॉलेज की द्वितीय वर्ष की प्री-यूनिवर्सिटी छात्रा सौजन्या (17) के साथ नौ अक्टूबर 2012 को कथित तौर पर बलात्कार किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई थी। अब सौजन्या के लिए न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। वीरेंद्र हेगड़े ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''ये मुद्दे बेबुनियाद और झूठे हैं, तथा इन आरोपों से मैं सचमुच आहत हूं। सोशल मीडिया पर जिस तरह से चीजों को पेश किया जाता है, वह नैतिक रूप से गलत है।''

गृह मंत्री जी परमेश्वर ने विधानसभा में कहा था कि एसआईटी मामले की तह तक जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हेगड़े ने कहा, ''हमने उसी दिन एसआईटी का स्वागत किया था। यह अच्छी बात है कि राज्य सरकार ने इसका गठन किया है और अब सच सामने आना चाहिए। यह अच्छी बात नहीं है कि आरोप लगाए जाएं और वे वैसे ही बने रहें।'' उन्होंने मामले की शीघ्र जांच की अपील की। हेगड़े ने कहा, ''हम चाहते हैं कि जांच जल्द से जल्द पूरी हो और मामला सुलझ जाए। हमारे सभी खाते, खासकर हम, खुले हैं। एसआईटी पूरी जांच करे और दोषियों को सजा मिले।'' उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मस्थल और उसके ट्रस्ट को निशाना बनाकर 14 वर्षों से अधिक समय से एक संगठित अभियान' चलाया जा रहा है।

धर्माधिकारी ने कहा, ''हमारे द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों से चिढ़कर कुछ तत्व झूठे अभियान चलाते हैं, लेकिन हम इससे विचलित नहीं होते।'' उन्होंने धर्मस्थल में शवों को दफनाने का दावा करने वाले एक नकाबपोश व्यक्ति के हालिया वीडियो का जिक्र करते हुए कहा, ''यह नामुमकिन है। यहां एक प्रचलित मान्यता है कि अगर किसी की मृत्यु धर्मस्थल में होती है, तो उसे मोक्ष मिलता है। जब भी कोई मृत्यु होती है, हम पंचायत को सूचित करते हैं और वे विधिवत

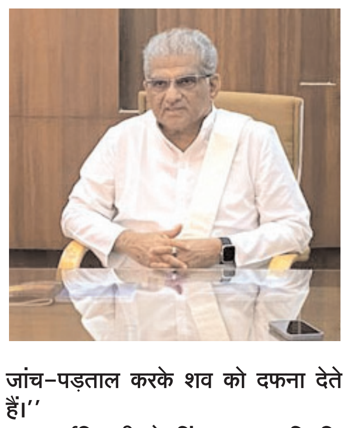

जांच-पड़ताल करके शव को दफना देते हैं।''

धर्माधिकारी ने चिंता व्यक्त की कि सोशल मीडिया ने युवाओं के मन-मस्तिष्क को प्रदूषित कर दिया है। उन्होंने कहा, ''वे चाहते हैं कि युवा आस्था से विमुख हो जाएं।'' धर्माधिकारी ने कहा, ''जिस तरह से चीजों को दिखाया गया, उससे हम स्तब्ध और आश्चर्यचकित हैं। सोशल मीडिया एक बहुत ही सशक्त माध्यम है और हमारे कई शुभचिंतकों का कहना है कि हमने अपने अच्छे कामों के प्रचार के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं किया है। समाज में किया जाने वाला कार्य हमारा कर्तव्य है, प्रतिबद्धता है, सेवा है। विभिन्न सामाजिक कार्यों के माध्यम से हम सभी गांवों तक पहुंचे हैं और 55 लाख परिवारों तक पहुंचे हैं।'' सौजन्या हत्याकांड में न्याय की उठ रही मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए हेगड़े ने कहा, ''जब हमें जानकारी हुई कि ऐसा कुछ हुआ है, तो हमने उसी दिन सरकार को सूचित किया। हमारे परिवारों पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। हमारे परिवार के जिन सदस्यों पर आरोप लगाए गए हैं वे पढ़ाई के लिए विदेश गए थे और हमने उनके लिए दस्तावेज भी पेश किए हैं। ये दुर्भावनापूर्ण अभियान हैं।''

हेगड़े ने बताया कि पहले भी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच हो चुकी है। उन्होंने कहा, ''हां। हमने सहयोग किया है और हम हर तरह की जांच का स्वागत करते हैं।'' धर्माधिकारी ने संपत्ति के दुरुपयोग के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि हमारी संपत्ति जैसी कोई चीज नहीं है। परिवार के पास बहुत कम संपत्ति है और सभी संपत्तियां न्यास के स्वामित्व में हैं और उनके दस्तावेज मौजूद हैं। धर्माधिकारी (मंदिर के संरक्षक) के अनुसार न्यास का प्रबंधन परिवार के सदस्यों द्वारा पारदर्शी तरीके से किया जाता है।

उन्होंने कहा, ''हम चार भाई हैं और एक भाई बेंगलूरु में शिक्षा का काम देखता है, दूसरा भाई सामाजिक कार्यों के साथ-साथ यहां मंदिर की देखभाल भी करता है और मेरी एक बहन है जिसके पति धारवाड़ में एसडीएम विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। सभी शैक्षणिक संस्थान न्यास के नाम पर हैं।'' हेगड़े ने एक जैन परिवार द्वारा हिंदू मंदिर का प्रबंधन किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इस आरोप में कोई सच्चाई है। ऐसे कई मंदिर हैं जो जैनियों द्वारा चलाए जाते हैं और वहां सभी रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है।'' धर्माधिकारी ने विवाद के राजनीतिक मोड़ लेने के दावे को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। कांग्रेस नेता भी यहां आए हैं और जनता दल एस नेता भी। कुछ लोग मंदिर को बदनाम करना चाहते हैं और सभी दल मंदिर के समर्थन में आए हैं।''

उन्होंने उप उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस बयान का स्वागत किया कि धर्मस्थल को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मामले में कहा था कि किसी भी गलत बात की जांच की जाएगी और दोषी को दंडित किया जाएगा। इसपर हेगड़े ने कहा कि यह एक स्वाभाविक बयान है और यह अच्छी बात है कि उन्होंने ऐसा कहा है। हेगड़े ने धर्मस्थल में आस्था पर कोई असर न पड़ने की बात दोहराते हुए कहा, ''हम पूजा-पाठ और अनुष्ठान हमेशा की तरह कर रहे हैं और भीड़ या अनुष्ठानों में कोई बदलाव नहीं आया है।'' उन्होंने कहा, ''हम अपने सूत्रों से जानते हैं कि इन षड्यंत्रों के पीछे कौन लोग हैं, लेकिन हमारे पास सबूत नहीं हैं, इसलिए हम कोई टिप्पणी नहीं कर सकते, यह साबित करना एसआईटी का काम है।

इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाने का ऐतिहासिक लक्ष्य हुआ पूरा : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में इस बार 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत दस करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है और इसके तहत अब तक दस करोड़ 21 लाख 33 हजार 994 पौधे लगाये जा चुके हैं। इस उपलब्धि पर मंगलवार को वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर इसकी बधाई दी और उन्हें पौधा भेंट किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के तहत पोस्टर विमोचन किया।

इस मौके शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने राजस्थान को हरा-भरा बनाने का संकल्प किया। इसके तहत राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के तहत 'हरियालो राजस्थान' अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण किया जाए और इस अभियान के तहत पौधों की जियो टैगिंग कर उनकी सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष सात करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था जिसे पूरा कर सात करोड़ 50 लाख पौधे लगाए गये। उन्होंने कहा कि इस साल भी 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से इस लक्ष्य को पार कर लिया गया है तथा अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि वर्षा काल अभी चल रहा है, ऐसे में विभाग इस अभियान के तहत लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधारोपण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की अपील की।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत गत एक अप्रैल से 19 अगस्त तक 37 लाख 51 हजार 957 पौधे व्यक्तिगत स्तर पर तथा नौ करोड़ 83 लाख 82 हजार 37 पौधे ब्लॉक स्तर पर लगाए गए हैं। 20 लाख हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण किया गया। साथ ही 2 लाख 74 हजार 920 पौधारोपण साइट्स पर 10 करोड़ 21 लाख 33 हजार 994 पौधे लगाए गए हैं। अभियान के तहत प्रदेश के 41 जिलों में पौधारोपण किया गया जिसमें जयपुर जिले में सर्वाधिक 73 लाख 56 हजार 462 पौधे लगाये गये और जयपुर जिला रैंकिंग में प्रथम रहा। राज्य में सर्वाधिक पौधे लगाने वाले दस जिलों में जैसलमेर अब तक 44 लाख 29 हजार 526 पौधे लगाकर दूसरे स्थान, इसके बाद भीलवाड़ा में 41 लाख छह हजार 780, बीकानेर में 40 लाख 32 हजार 762, उदयपुर में 40 लाख 10 हजार 206, राजसमंद में 33 लाख 71 हजार 651, अलवर में 31 लाख 31 हजार 888, चुरु में 30 लाख दस हजार 22, अजमेर में 29 लाख 52 हजार 125 एवं झुंझनूं में 27 लाख 74 हजार 420 पौधे लगाये गये। इस दौरान विभागों में सर्वाधिक तीन करोड़ 25 लाख 89 हजार 349 पौधे शिक्षा विभाग द्वारा लगाये गये जबकि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 2 करोड़ 65 लाख 57 हजार 459, वन विभाग द्वारा दो करोड़ 25 हजार 76, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 50 लाख 98 हजार पांच, स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा 30 लाख 50 हजार 12 पौधे लगाये गये।

भजनलाल ने राजस्थान में दस करोड़ से अधिक पौधे लगाये जाने पर पोस्टर का किया विमोचन

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरयालो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) अभियान के तहत इस बार अब तक दस करोड़ से अधिक पौधे लगाये जा चुके हैं और इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को यहां पोस्टर का विमोचन किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रदेश में 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य की प्राप्ति पर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने यहां मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें बधाई दी और पौधा भेंट किया। इस अवसर पर भजनलाल शर्मा ने हरियालो राजस्थान के तहत पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म भी मौजूद थे।

ड्रम में बंद मिला व्यक्ति का शव, महिला और एक अन्य आरोपी हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में खैरथल-तिजारा जिले के किशनगढ़बास में पुलिस ने एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी एवं एक अन्य आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि किशनगढ़बास की आदर्श कॉलोनी में किराए पर रहने वाले हंसराम का शव उसके घर की छत पर एक ड्रम में मिला था। उसने बताया कि हंसराम की पत्नी सुनीता और उनके मकान मालिक का बेटा जितेंद्र फरार थे तथा उन्हें सोमवार को हिरासत में ले लिया गया।

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले का मूल निवासी हंसराम अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ किशनगढ़बास में रहता था। पुलिस ने कहा, सुनीता और जितेंद्र को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सुनीता और जितेंद्र बच्चों को लेकर फरार हो गए थे। उसने बताया कि घर से दुर्गंध आने की शिकायत मिलने पर पुलिस ने तलाश की और उसे नीले रंग के ड्रम में हंसराम का शव मिला।

पुलिस ने बताया कि शव के गले पर किसी धारदार हथियार से वार किए जाने का निशान था और ड्रम में नमक भी डाला गया था ताकि शव जल्दी सड़ जाए। हंसराम पिछले डेढ़ महीने से घर के ऊपरी हिस्से में किराए के कमरे में रह रहा था और एक ईंट भट्टे पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि सुनीता, उसके तीन बच्चे और मकान मालिक का बेटा जितेंद्र शनिवार से लापता थे। उसने बताया कि हंसराज शराब का आदी था और जितेंद्र के साथ अक्सर शराब पीता था।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2025 पांच सितंबर को जयपुर में होगा

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन आगामी पांच सितम्बर किया जायेगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस अवसर पर राज्य स्तर पर चयनित शिक्षकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा। समारोह का आयोजन बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में किया जाना प्रस्तावित है। समारोह की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के लिए संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा जयपुर संभाग जयपुर मंजू शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को डा राधाकृष्णन शिक्षा संकुल जयपुर स्थित मंथन सभागार में श्रीमती शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में श्रीमती शर्मा ने समारोह के सफल संचालन के लिए गठित विभिन्न समितियों के प्रभारी एवं सह-प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह समारोह शिक्षकों के योगदान और उनकी सेवाओं को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, अतः समस्त व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित की जानी चाहिए।

चिकित्सक दो हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जालोर में राजकीय जिला चिकित्सालय के ट्रोमा सेंटर के मेडिकल ज्यूरिस्ट डा कानाराम को एक मामले में मंगलवार को दो हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने एसीबी की जालोर इकाई को शिकायत की कि उसके साथ हुई मारपीट को लेकर कोतवाली में दर्ज प्रकरण में उसका चोट प्रतिवेदन जारी करने की एवज में चिकित्सक कानाराम दो हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे है।

श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि इस पर ब्यूरो टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी चिकित्सक कानाराम को परिवादी से दो हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

हिरासत में मौतों के बारे में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने कहा है कि अवैध खनन और पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों के मामलों में किसी भी तरह को कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शर्मा ने सोमवार को भरतपुर में आयोजित उच्चाधिकारियों की बैठक में साफ शब्दों में कहा कि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि पुलिस हिरासत में होने वाली मौत स्वाभाविक रूप से हुई है या किसी अन्य कारणों से। इसके लिए पुलिस को सजग रहने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाएं और बच्चियों को घर से निकलने में सोचना नहीं पड़े इसके लिए गश्त बढ़ाने की जरुरत है तो वह बढ़ाई जाए।

शर्मा ने थाने में आने वाले परिवादियों को अच्छे से सुनने की व्यवस्था के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए सर्वेक्षण करने एवं चिन्हित अपराधियों पर निगरानी रखने के निर्देश दिये। साथ ही पुलिस अधिकारियों को इस बात की भी हिदायत दी कि बच्चियों एवं महिलाओं को घर से बाहर निकलते समय यह सोचना नहीं पड़े कि वे अपने ही शहर में असुरक्षित हैं। उन्होंने बैठक में रेंज अधिकारियों से अपराधों की रोकथाम के बारे में चर्चा करते हुए उन्हें पुलिस की प्राथमिकताओं के लिए काम करने के तरीकों के बारे में भी बताया।

बैठक में रेंज के पुलिस महानिरीक्षक कैलाश विश्नोई सहित भरतपुर पुलिस रेंज के सभी उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

समरस और समर्थ समाज के निर्माण के लिए अनुसूचित जाति का उत्थान जरूरी : मकवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने कहा केंद्र सरकार, राज्य सरकार और अनुसूचित आयोग की मंशा समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को न्याय दिलाना है, ताकि समरस और समर्थ समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए बेहतरीन कार्य कर रही है। मकवाना ने मंगलवार को शासन सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। इस दौरान सदस्यगण वड्डेपल्ली रामचंदर एवं लवकुश कुमार साथ रहे। आयोग ने अनुसूचित जाति वर्ग के लिए विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, सचिव (आयोग) जी. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव एच. काम सुआनथांग, डीआईजी (पी) श्रीमती सनमीत कौर, निदेशक कौशल कुमार, सामाजिक न्याय निदेशक आशीष मोदी सहित संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव और उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने पुष्पगुच्छ देकर अध्यक्ष किशोर मकवाना और सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं के जरिए लाभान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार 17.08 प्रतिशत यानी कुल 1 करोड़ 22 लाख लोग अनुसूचित जाति से आते हैं। उन्होंने आयोग को आश्वस्त किया कि अनुसूचित जाति से जुड़ी राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ इस वर्ग तक पहुंचाने के प्रयासों में और गति लाई जाएगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने आयोग द्वारा चाही गई जानकारी को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के जरिए विस्तार से बताया।उन्होंने संक्षेप में विभिन्न विभागों को अनुसूचित जाति के लिए आवंटित बजट और व्यय का लेखा जोखा दिया। उन्होंने अनुसूचित जाति के विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, हॉस्टल्स, छात्रवृति, एट्रोसिटी एक्ट सम्बंधी भुगतान सहित अन्य विषयों पर विस्तार से बताया।

आयोग के सचिव जी. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव एच. काम सुआनथांग, डीआईजी (पुलिस) श्रीमती सनमीत कौर और निदेशक कौशल कुमार ने अधिकारियों से योजनाओं से जुड़ी अन्य जानकारियां भी ली और बेहतर क्रियान्वयन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने खास तौर पर शिक्षा, पेयजल, राजस्व, स्वास्थ्य, अनुसूचित जाति वर्ग की छात्रवृति, छात्रावासों से जुड़ी योजनाओं के विषय में अधिक जोर देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने आयोग को योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए भी आश्वस्त किया।

बैठक में स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, राजस्व, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामला, कौशल एवं उद्यमिता, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, ग्रामीण विकास, गृह, पुलिस, न्याय, योजना एवं सांख्यिकी, सहकारिता, नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन, चिकित्सा शिक्षा, पंचायती राज, कृषि एवं उद्यानिकी, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के उच्चाधिकारियों ने अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं और लाभान्वितों की जानकारी पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के जरिए दी।

पूर्वी राजस्थान में कई जगह भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्वी राजस्थान में कई जगह बीते चौबीस घंटे में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कहीं-कहीं भारी बारिश हुई। इसने बताया कि इस दौरान पश्चिमी राजस्थान में भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक 110 मिलीमीटर बारिश भूंगड़ा (बांसवाड़ा) में हुई।

इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बीकानेर में 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिन राज्य के उदयपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है, जबकि कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अगस्त के आखिरी सप्ताह में बंगाल की खाड़ी में मानसून तंत्र बनने के कारण राज्य के अधिकांश भागों में मानसून सक्रिय रहने व बारिश की गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है।

झालावाड़ पुलिस ने तीन करोड़ से अधिक की स्मैक जब्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ जिले में पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन करोड़ 15 लाख रुपए मूल्य की 1.574 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली स्मैक बरामद कर इस मामले में चार महिलाओं सहित छह लोगों को गिरफ्तार और दो मुख्य सरगना को हिरासत में लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने इस बड़ी सफलता का खुलासा करते हुए मंगलवार को बताया कि तस्करों ने अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए महिलाओं और मासूम बच्चों को ढाल बनाया। कुमार ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में दो पुरुष और चार महिलाओं सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि इस गोरखधंधे के दो मुख्य सरगना भी पुलिस की गिरफ्त में हैं।

उन्होंने बताया कि जिले में संगठित अपराध और विशेष रूप से मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे एक व्यापक अभियान के तहत पुलिस थाना असनावर की विशेष टीम ने सूचना के आधार पर अकलेरा रोड पर नाकाबंदी की। देर रात एक संदिग्ध इको कार को रुकवाकर उसकी तलाशी लेने पर उसमें सवार दो पुरुष और चार महिलाएं बेहद घबराये हुए थे। एक महिला की गोद में एक छोटा बच्चा भी था, जिसे देखकर पहली नजर में किसी को शक नहीं हुआ। हालांकि पुलिस टीम की पैनी नजरों ने संदिग्ध गतिविधियों को भांप लिया। नियमानुसार गाड़ी की गहन तलाशी लेने पर सीटों के नीचे और अन्य गुप्त स्थानों पर छुपाकर रखी गई 1.574 किलोग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 3 करोड़ 15 लाख रुपए आंकी गई है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे इस खेप को घाटोली निवासी हेमंत तंवर से लेकर आए और जयपुर के रामनगर में रहने वाले राजू उर्फ राजेश नामक व्यक्ति को सौंपने जा रहे थे।

पुलिस ने तुरंत दो अलग-अलग टीमों का गठन किया। एक टीम ने घाटोली में दबिश देकर मुख्य आपूर्तिकर्ता हेमंत तंवर को धर दबोचा वहीं दूसरी टीम ने जयपुर पहुंचकर राजू उर्फ राजेश को भी हिरासत में ले लिया। पुलिस अधीक्षक कुमार ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वे अक्सर महिलाओं और बच्चों को साथ लेकर चलते थे ताकि रास्ते में पुलिस की चेकिंग से बचा जा सके और किसी को उन पर संदेह न हो।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने अनुसूचित जाति वर्ग के लिए सेवा क्षेत्र में किए सुरक्षात्मक उपायों पर की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संविधान द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए प्रदत्त सेवा क्षेत्र में किए सुरक्षात्मक उपायों के राज्य में क्रियान्वयन की राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना एवं सदस्य वड्डेपल्ली रामचंदर ने मंगलवार को समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शासन सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में कार्मिक विभाग के सचिव कृष्णकांत पाठक ने आयोग द्वारा मांगी गई सूचना एवं जानकारी को बिंदुवार प्रस्तुतीकरण के जरिए बताया। इस दौरान योजना, उद्योग, स्वायत्त शासन, वित्त, सहकारिता, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि, पंचायती राज, कर्मचारी चयन आयोग, स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा सहित विभिन्न विभागों के उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पाठक ने विभिन्न विभागों में अनुसूचित जाति वर्ग की पिछले वर्षों की बैकलॉग पदों की संख्या के बारे में बताया। उन्होंने आयोग को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही विभिन्न विभागों में अनुसूचित जाति वर्ग के कार्मिकों के बैकलॉग को भरने के प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति वर्ग के प्रमोशन, रोस्टर, सेवा मामलों सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, सचिव (आयोग) जी. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव एच. काम सुआनथांग, डीआईजी (पी) श्रीमती सनमीत कौर, निदेशक कौशल कुमार, सामाजिक न्याय निदेशक आशीष मोदी सहित संबंधित उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान में पुरातन और आधुनिक स्थापत्य कला का अनूठा संगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शहरी विकास के क्षेत्र में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है तथा यह क्षेत्र विकास के नए शिखर छू रहा है। प्रदेश में शहरी विकास आधुनिक सौंदर्यशास्त्र, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सार्वजनिक सुविधा का एक अनूठा संगम दर्शाता है। राजधानी जयपुर की नई विकास यात्रा में भी यहां की पारम्परिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ आधुनिक आधारभूत ढांचे का अनूठा मेल है। राज्य सरकार ने आमजन को फाउंटेन स्क्वायर परियोजना के रूप में अविस्मरणीय तोहफा दिया है। जयपुर शहर के मानसरोवर क्षेत्र में वी.टी. रोड और अरावली मार्ग के बीच बसा और हरे-भरे सिटी पार्क से सटा, यह विश्व स्तरीय प्रोजेक्ट 16 बीघा (40,000 वर्ग मीटर) क्षेत्र में फैला है। यहां बीचों बीच बना म्यूजिकल फाउण्टेन पानी की स्क्रीन पर लेजर शो के साथ मंत्रमुग्ध करने वाली 3डी इमेजरी में राजस्थानी संस्कृति की कहानियां सुनाता है। यहां दो एम्फीथियेटर भी हैं। 40 करोड़ की लागत से निर्मित यह परियोजना न केवल एक कलात्मक कृति है, बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे में एक बेंचमार्क है।

इस परियोजना के केंद्र में सेंट्रल म्यूजिकल फाउंटेन है, जहां हर शाम 7 से 8 बजे तक संगीत और रोशनी के साथ पानी की स्क्रीन पर लेजर शो पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनता है। इसके साथ ही, यह मंत्रमुग्ध करने वाली 3डी इमेजरी में राजस्थानी संस्कृति की कहानियां भी सुनाता है। यह फाउंटेन चार सफेद संगमरमर की शेर की मूर्तियों से घिरा हुआ है, जो शक्ति और गौरव का प्रतीक है।

भारत को भविष्य के मिशनों के लिए 40 से 50 अंतरिक्ष यात्रियों को तैयार करने की जरूरत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों का नेतृत्व करने के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करना होगा। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष में 20 दिन बिता कर लौटे शुभांशु शुक्ला से बातचीत के दौरान यह बात कही।

शुक्ला एक्सिओम-4 वाणिज्यिक मिशन के जरिये अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि भारत के गगनयान मिशन को लेकर दुनिया भर में जबरदस्त रुचि है। प्रधानमंत्री के साथ सोमवार शाम को बातचीत में शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक की अपनी अंतरिक्ष यात्रा, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों के साथ तालमेल और कक्षीय प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों के बारे में अपने अनुभव भी साझा किए। इस बातचीत का वीडियो सोमावार को जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के भविष्य के मिशनों के लिए 40-50 अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भविष्य के अंतरिक्ष मिशन की दिशा में पहला कदम है। मोदी ने कहा कि अब तक बहुत कम बच्चों ने अंतरिक्ष यात्री बनने के बारे में सोचा होगा, लेकिन शुक्ला की यात्रा से इस क्षेत्र में अधिक विश्वास पैदा होगा और रुचि पैदा होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सामने अब दो बड़े मिशन हैं - भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और गगनयान, और इन प्रयासों में शुक्ला का अनुभव बहुत मूल्यवान होगा। शुक्ला ने कहा कि दोनों मिशन ने देश के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत किया है और चंद्रयान-2 मिशन जैसी असफलताओं के बावजूद अंतरिक्ष क्षेत्र के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अंतरिक्ष कार्यक्रम को लगातार बजट उपलब्ध कराने के कारण चंद्रयान-3 को सफलता मिली।

शुक्ला ने कहा कि असफलताओं के बाद भी इस तरह के समर्थन को विश्व स्तर पर अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमता और स्थिति के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, भारत नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है और भारत के नेतृत्व में अन्य देशों की भागीदारी से अंतरिक्ष केंद्र एक शक्तिशाली साधन होगा।

ओडिशा में भारी बारिश, मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

भुवनेश्वर/भाषा। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के गहरे अवदाब में बदलने के बाद मंगलवार को ओडिशा में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि बारिश से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में कोरापुट, मलकानगिरि, नवरंगपुर, कालाहांडी, रायगढ़ा, गजपति और कंधमाल शामिल हैं। आईएमडी ने सुबह अपने बुलेटिन में कहा, उत्तर पश्चिम और पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी तथा उत्तर आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तट पर बना दबाव पिछले छह घंटों में सात किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए तड़के गोपालपुर के पास दक्षिण ओडिशा तट को पार कर गया। विभाग ने कहा कि यह प्रणाली अगले छह घंटों में कमजोर होकर गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदल सकती है और इसका रुख दक्षिण ओडिशा तथा दक्षिण छत्तीसगढ़ की ओर रहेगा।

आदिवासियों की जमीन 'हड़प' रही है झारखंड सरकार : चंपई सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार आदिवासियों की जमीन हड़प रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता चंपई सोरेन ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रस्तावित 1,000 करोड़ रुपए की रिम्स-2 अस्पताल परियोजना के लिए रांची के नागरी क्षेत्र में जबरन भूमि अधिग्रहण किया गया है। चंपई ने आरोप लगाया, मैंने 24 अगस्त को किसानों द्वारा किए जा रहे 'हल जोतो, रोपा रोपो' (खेत जोतो, पौधे लगाओ) विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का निर्णय लिया है। इन किसानों की जमीन सरकार द्वारा जबरदस्ती अधिग्रहित की गई थी। उन्होंने दावा किया कि जमीन के मालिकों को न तो अधिग्रहण का नोटिस दिया गया और न ही मुआवजा दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार जमीन का दस्तावेज दिखाने को भी तैयार नहीं है। मैं अस्पताल परियोजना के खिलाफ नहीं हूं। रांची में कई एकड़ बंजर या अप्रयुक्त जमीन है जहां अस्पताल बनाया जा सकता है।

इंस्टाग्राम पर आत्महत्या की पोस्ट पर 'मेटा' के अलर्ट के बाद पुलिस ने युवक को बचाया

कौशाम्बी (उप्र)/भाषा। कौशाम्बी जिले में 'इंस्टाग्राम' पर जहर खाकर आत्महत्या करने संबंधी पोस्ट डालने वाले 20 वर्षीय युवक को पुलिस ने 'मेटा' से अलर्ट मिलने के बाद समय रहते बचा लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पिपरी थाना अंतर्गत औधन गांव निवासी वेद कुमार पाल ने 18 अगस्त को एक वीडियो अपलोड किया था जिसमें ज़हर की एक शीशी दिखाई दे रही थी और शीर्षक लिखा था, आज रात मैं यह ज़हर पी लूंगा और मेरी कहानी यहीं खत्म होगी। 'मेटा' ने इस पोस्ट को 'फ़्लैग' किया और वीडियो, मोबाइल नंबर और लोकेशन की जानकारी लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय के साथ साझा की। इसके बाद यह जानकारी कौशाम्बी पुलिस के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ को दी गई, जिसने पिपरी थाने को सूचित किया। 'मेटा' सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' व 'फेसबुक' की मूल कंपनी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुलिस की एक टीम युवक के घर पहुंची और उसे समय रहते बचा लिया। उसकी काउंसलिंग की गई और बाद में उसे उसके परिवार को सौंप दिया गया।

राहुल ने बिहार के लोगों से कहा

वोट खत्म हुआ तो राशनकार्ड, जमीन, सब कुछ चला जाएगा

नवादा/नालंदा/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन मंगलवार को निर्वाचन आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर वोट चोरी में साझेदार होने का आरोप लगाया और लोगों से कहा कि अगर मतदाता सूची से नाम कट गया तो राशनकार्ड, जमीन तथा सब कुछ चला जाएगा। उन्होंने यह दावा भी किया कि बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में चोरी की गई थी और इसकी सच्चाई एक दिन बाहर आएगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने फिर दोहराया कि केंद्र और बिहार में कांग्रेस और उसके सहयोगियों की सरकार बनने पर निर्वाचन आयोग के मौजूदा अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी, आयोग के लोग याद रखें- हमारी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई जरूर करेगी। तीसरे दिन की यात्रा गयाजी के वजीरगंज से शुरू हुई और नवादा में दाखिल हुई। इसके बाद यह यात्रा शेखपुरा होते हुए नालंदा पहुंची जहां आज की यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बुधवार को अवकाश का दिन है और यह बृहस्पतिवार को नालंदा से शुरू होगी।

उप्र के मऊ में अवैध धर्म परिवर्तन के प्रयास में दो गिरफ्तार

मऊ (उप्र)/भाषा। मऊ ज़िले में पुलिस ने एक व्यक्ति पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डालने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को जिले के निवासी आकाश कुमार ने श्याम कुमार राजभर और रविशंकर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

कुमार ने शिकायत में आरोप लगाया, करीब दो महीने पहले, रविशंकर और श्याम कुमार राजभर मुझे लालच देकर और पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहे थे। जब मैंने मना कर दिया, तो उन्होंने मुझे सलाहाबाद के पास एक प्रार्थना सभा में आने के लिए कहा। उसने दावा किया, जब मैं मौके पर पहुंचा, तो मैंने देखा कि लगभग 60-70 लोग वहां आए हुए थे, जिनको बहलाया फुसलाया जा रहा था और उनका धर्म परिवर्तन करने की कोशिश की जा रही थी। कोतवाली थाने के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सोमवार को एक पुलिस दल मौके पर भेजा गया, जिसके बाद श्याम और रवि को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि कुछ अज्ञात व्यक्ति भागने में सफल रहे।

कोटा में 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डा एवं भुवनेश्वर में बाईपास से व्यापार, शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान के कोटा-बूंदी में एक 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डे और भुवनेश्वर में छह-लेन वाले बाईपास को मंजूरी देने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि इन महत्वपूर्ण फैसलों से उद्योग, व्यापार और शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राजस्थान के कोटा-बूंदी में 1,507 करोड़ रुपए की लागत से एक 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डे के विकास को मंजूरी दी है। 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डा एक ऐसा नया हवाई अड्डा होता है, जो पूरी तरह से खाली जमीन पर बनाया गया हो, जहां पहले से कोई हवाई अड्डा या हवाई पट्टी न हो। इसका निर्माण किसी मौजूदा हवाई अड्डे के विस्तार के बजाय, नए क्षेत्रों में हवाई 'कनेक्टिविटी' प्रदान करने के लिए किया जाता है।

शाह ने 'एक्स' पर लिखा, इससे हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन के विकास, रनवे के आकार में वृद्धि और अन्य सहायक बुनियादी ढांचे के निर्माण में तेजी आएगी। इस महत्वपूर्ण फैसले से कोटा और आसपास के क्षेत्रों में उद्योग, व्यापार, शिक्षा और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। गृहमंत्री ने मंत्रिमंडल द्वारा 8,307.74 करोड़ रुपए की लागत से भुवनेश्वर में छह लेन के बाईपास को मंजूरी दिए जाने पर ओडिशा के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह विकास का एक नया मार्ग खोलेगा, राज्य के व्यापार, वाणिज्य और पर्यटन को नई गति प्रदान करेगा।

अरुणाचल भविष्य के विद्यालय बना रहा : मुख्यमंत्री खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मंगलवार को कहा कि उनका राज्य मजबूत नींव और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के मिश्रण के साथ भविष्य के स्कूलों का निर्माण कर रहा है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपनी सरकार की बहुआयामी पहलों को रेखांकित किया, जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बच्चा पीछे न छूटे। उन्होंने कहा, साक्षरता और संख्यात्मकता की मजबूत नींव से लेकर एआई-संचालित निगरानी तक, अरुणाचल भविष्य के स्कूलों का निर्माण कर रहा है।

असम में कुछ 'अजीब' लोग आ रहे हैं, सीमा लांघी' तो होंगे गिरफ्तार : हिमंत बिश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने दावा किया कि देश के विभिन्न हिस्सों से कुछ ''अजीब लोग'' राज्य में आ रहे हैं और अगर उन्होंने ''सीमा लांघी'' तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि ये लोग मुंबई और केरल से आए वकील हैं। मुख्यमंत्री सोमवार रात को एक नवजात शिशु की मौत के बाद जीएमसीएच आए थे। उन्होंने कहा, हम उन पर नजर रख रहे हैं। वे तब भी आए थे जब राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को अद्यतन किया जा रहा था और उन्होंने पूरी प्रक्रिया को बिगाड़ दिया था।

एनआरसी प्रक्रिया के दौरान सरकार ने इन लोगों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब हम उनमें से हर एक पर नजर रख रहे हैं और अगर वे नियमों के विरुद्ध जाकर अपनी सीमा पार करते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, हम किसी भी कट्टरपंथी गतिविधि या संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति बर्दाश्त नहीं करेंगे, चाहे वे केरल, मुंबई या दिल्ली से ही क्यों न आए हों। ये कट्टरपंथी लोग हैं जो कुछ खास वर्गों की गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं और उनकी रक्षा करते हैं। जीएमसीएच में सोमवार सुबह एक शिशु की मौत हो गई थी जो नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) के अंदर एक चिकित्सा उपकरण के तारों से लटका पाया गया था। नवजात शिशु के परिजनों द्वारा ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाए जाने के बाद राज्य सरकार ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। शर्मा ने कहा कि यह लापरवाही का मामला है और दोषियों के खिलाफ कड़ी और प्रभावी कार्रवाई के लिए एक जांच समिति गठित की गई है। इस बीच, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एनआरसी प्रक्रिया के दौरान ''इन लोगों'' ने एक ही नाम के लोगों का फायदा उठाकर और उन लोगों के नाम दर्ज करके झूठे रिकॉर्ड बनाए जो सूची में शामिल होने के योग्य नहीं थे। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पहले से रह रहे लोगों के ''फर्जी रिश्तेदार'' बनाए गए जो ''सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर जैसे कुछ लोगों के दिमाग'' की उपज है। उन्होंने कहा, ये मुद्दे अब सामने आए हैं। पिछले पांच साल में हमें ऐसी कई विसंगतियां मिली हैं और अब हम इन्हें उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं।

शर्मा ने कहा कि 'बीबीसी' की एक टीम ने उरियमघाट का दौरा किया था जहां हाल में सबसे बड़ा अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया गया था, लेकिन ''हमने उन्हें वन क्षेत्र में घुसने की इजाजत नही दी''। उन्होंने कहा, हमने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया था कि जंगल में प्रवेश करने के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी। इस बार हम सख्ती से कदम उठा रहे हैं और किसी भी व्यक्ति या समूह को इन मुद्दों का फायदा उठाने की अनुमति नहीं देंगे।

अगले लोकसभा चुनाव में हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएंगे: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवादा (बिहार)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बिहार के लोगों का आह्वान किया कि अगले लोकसभा चुनाव में वे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएं। नवादा में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के तीसरे दिन एक रैली को संबोधित करते हुए यादव ने युवाओं से इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में राज्य से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, बिहार में राजग सरकार को उखाड़ फेंकना है। आगे जब भी लोकसभा चुनाव होगा, हम लोग राहुल गांधी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे।

यादव ने यहां 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान राहुल गांधी की मौजूदगी में यह टिप्पणी की। गांधी के साथ यादव और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य नेता भी यात्रा में शामिल हुए। एक पखवाड़े की यह यात्रा रविवार को शुरू हुई थी। इस राज्यव्यापी यात्रा को शुरू करने वाले गांधी को राजद नेता ने ऐसा व्यक्ति बताया जिसने ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रातों की नींद हराम'' कर दी है। भीड़ की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच यादव ने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव में हमें राज्य में राजग की 20 साल की ''खटारा सरकार'' को उखाड़ फेंकना है और आगे जब भी लोकसभा चुनाव होगा हम लोग राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएंगे।

खुले वाहन के ऊपर हाथ में माइक लिए बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, नए बिहार के लिए हमारे पास नजरिया है। इस वाहन में राहुल गांधी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी और कांग्रेस की बिहार इकाई के प्रमुख राजेश कुमार भी सवार थे।

विधानसभा में विपक्ष के नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, हमारे चाचा (नीतीश कुमार) अब अचेत अवस्था में हैं और उनसे अब बिहार संभल नहीं रहा है। उनकी सरकार नकलची बन गई है। मैंने मुफ्त बिजली, अधिवास नीति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी और युवा आयोग की स्थापना का वादा किया था। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने इन्हें नई योजनाओं के रूप में पेश किया। वह राज्य की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सिंचाई सुविधाओं और जवाबदेही की जरूरतों से बेखबर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा, उन्होंने बिहार के लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने के लिए निर्वाचन आयोग के साथ सांठगांठ की है। उन्होंने कहा कि कई जीवित लोगों का नाम मतदाता सूची से काट दिया गया और उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। राजद नेता ने दावा किया कि भाजपा के लोग निर्वाचन आयोग से मिलकर गरीबों के वोट का अधिकार छीन रहे हैं।

यादव ने दोहराया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लोगों के मताधिकार को छीनने की एक कवायद है। उन्होंने आरोप लगाया, एसआईआर वोट की डकैती है और हम ऐसा नहीं होने देंगे। यह बिहार में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की सत्तारूढ़ सरकार की साजिश है। यादव (35) ने कहा, निर्वाचन आयोग और भाजपा के लोग समझते हैं कि बिहार के लोगों को चूना लगा देंगे। लेकिन मोदी जी भी जानते हैं कि हम बिहार लोग चूना को खैनी में रगड़ देते हैं। राजद नेता ने कहा, अब बिहार को तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ना है, विकास करना है। हम लोग नौजवान हैं, हमारे पास नजरिया है।

यादव ने कहा कि सत्ता में आने पर वह सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे और बिहार का मान-सम्मान बढ़ाएंगे।

फरीदाबाद में दो लोगों ने किया अपहरण

पुलिसकर्मी बताकर मामला निपटाने के लिए परिजनों से मांगी रकम

फरीदाबाद/भाषा। फरीदाबाद में दो लोगों ने कथित तौर पर एक व्यक्ति का अपहरण किया और खुद को पुलिस वाला बताकर उसके परिवार से मामला 'निपटाने' के लिए धन की मांग की। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को गिरफ्तार किए गए दो लोगों ने अपहृत व्यक्ति के परिवार को फोन करके बताया कि उसे अवैध हथियार रखने के लिए पकड़ा गया है।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित के भाई को कुछ गड़बड़ लगी और वह फरीदाबाद पुलिस के पास पहुंचा। अपनी शिकायत में ज्ञान चंद ने कहा, मेरे भाई पिंटू ने फोन नहीं उठाया। कुछ समय बाद जब मैंने फिर फोन किया, तो एक अन्य व्यक्ति ने फोन उठाया और कहा कि वह एक पुलिस कांस्टेबल है। उसने कहा कि मेरे छोटे भाई को अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया है। उसने कहा कि उन्होंने अपहृत व्यक्ति को रिहा करने के लिए आठ हजार रुपए की मांग की और सरस्वती कॉलोनी स्थित नए ब्रिज के पास बुलाया।

एशिया कप की भारतीय टीम में गिल बने उपकप्तान

बुमराह को मिला मौका लेकिन अय्यर चूके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टी20 का उपकप्तान बनाया गया है जबकि दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की लंबे समय के बाद छोटे प्रारूप की टीम में वापसी हुई है।

खिलाड़ियों के विकल्प में अधिकता के कारण टीम में लगातार दो आईपीएल फाइनल खेलने और 2024 में खिताब जीतने वाले कप्तान और आक्रामक बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मौका नहीं मिला है।

पच्चीस साल के गिल ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 2024 में पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। वह अब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम में अक्षर पटेल की जगह उप-कप्तान होंगे।

भारत को एशिया कप के ग्रुप ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई के साथ रखा गया है।

गिल को टीम में शामिल किया जाना कोई हैरानी की बात नहीं थी। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों की ड्रॉ (2-2) रही श्रृंखला में चार शतक जड़े थे।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां टीम की घोषणा के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, गिल ने इंग्लैंड दौरे पर हमारी उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया।

टीम प्रबंधन को हालांकि गिल के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी सोच-विचार करना होगा क्योंकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पिछले कुछ समय से शीर्ष क्रम में एक प्रभावी जोड़ी बनाई है।

अगरकर ने इसे सिरदर्द मानने के बजाय एक अच्छी समस्या करार दिया। उन्होंने कहा, अब (शीर्ष क्रम के लिए) अधिक विकल्प हैं और शुभमन वैसे भी शानदार लय में हैं। यह टीम जब दुबई पहुंचेगी तो प्रतिद्वंद्वी टीम और परिस्थितियों के अनुसार अंतिम एकादश पर फैसला कर सकते हैं।

टीम के पास सैमसन से मध्यक्रम में बल्लेबाजी कराने का विकल्प होगा। केरल के इस बल्लेबाज ने अतीत में मध्यक्रम में बल्लेबाजी की है। अगरकर ने भी इसी ओर इशारा किया।

महिला विश्व कप के लिए रेणुका ठाकुर भारतीय टीम में, शेफाली वर्मा बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फिटनेस हासिल करने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतीका रावल ने एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बना ली है जबकि आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिल सका है।

वनडे विश्व कप 30 सितंबर से भारत में खेला जायेगा। टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत श्रीलंका से भिड़ेगा। हमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का ऐलान मंगलवार को किया गया। अपने 14 वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाली रावल को आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली पर तरजीह दी गई है। चयनकर्ताओं ने 14 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीन वनडे मैचों के लिए भी टीम का चयन किया है। हरमनप्रीत और मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने यहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में टीम की घोषणा के बाद मीडिया से बात की। भारत पर घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का दबाव होगा क्योंकि उसने अब तक कोई विश्व खिताब नहीं जीता है और पूरी संभावना है कि 36 वर्षीय हरमनप्रीत अपना आखिरी एकदिवसीय विश्व कप खेलेंगी। पूर्व भारतीय स्पिनर नीतू ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के लिए शेफाली के नाम पर चर्चा हुई लेकिन रावल को तरजीह दी गई। उन्होंने हालांकि कहा कि शेफाली योजनाओं का हिस्सा बनी रहेंगी। नीतू ने कहा, शेफाली ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ श्रृंखला खेली थी। वह हमारी योजनाओं में है। हमारी नजर उस पर है। उम्मीद करते हैं कि वह अधिक मैच खेलेगी और अनुभव हासिल करेगी। इससे भविष्य में 50 ओवर के प्रारूप में भारत के लिए खेलने में मदद मिलेगी। हम शेफाली के लिए लंबा करियर चाहते हैं।

रेणुका की चोट से वापसी पर उन्होंने कहा, रेणुका हमेशा से एक अनमोल खिलाड़ी रही हैं। उन्हें कुछ छोटी-मोटी चोट थी लेकिन अब वह उपलब्ध है। इस विश्व कप के लिए वह हमारी मुख्य खिलाड़ी है।

सुविचार

सब्र एक ऐसी सवारी है,
जो अपने पे सवार को
कभी गिरने नहीं देती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऑनलाइन गेमिंग : मनोरंजन या बर्बादी?

देशवासियों द्वारा ऑनलाइन गेम्स पर यूपीआई के जरिए खर्च की गई राशि से संबंधित आंकड़े हैरान करने वाले हैं। लोगों ने चार महीनों में लगभग 41,000 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। इस देश में लाखों लोग मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके पास इलाज के लिए रुपए नहीं हैं। युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। कितने ही बच्चे कुपोषण से ग्रस्त हैं। क्या ऐसे हालात में ऑनलाइन गेम्स पर इतनी भारी-भरकम राशि खर्च कर देना अक्लमंदी है? डिजिटल पेमेंट एक ऐसी सुविधा है, जिसने कई काम बहुत आसान कर दिए हैं। इसका इस्तेमाल व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए होना चाहिए। जो लोग तुरंत मालामाल होने के लिए ऑनलाइन गेम्स, जुआ, सट्टा आदि में धन लगाते हैं, वे अपने लिए समस्याएं मोल लेते हैं। आज सोशल मीडिया पर हजारों लोग आपबीती बताते मिल जाएंगे, जिन्होंने इस उम्मीद के साथ रुपए लगाए थे कि कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन देखते ही देखते वे लाखों रुपए गंवा बैठे। यह एक ऐसा नशा है, जो व्यक्ति को पूरी तरह गिरफ्त में ले लेता है। उसे अपने हितैषियों की बातें बुरी लगती हैं। वह सोचता है कि एक दांव की ही तो बात है, उसके बाद मैं मालामाल हो जाऊंगा! आज तक कितने लोग इन ऐप्स के जरिए मालामाल हुए हैं? अगर लाखों-करोड़ों लोगों में से दो-चार लोगों को कुछ हजार रुपए मिल भी गए तो इसमें फायदा किसका है? अगर इन ऐप्स को संचालित करने वाली कंपनियां अपने यूजर्स को रुपए बांटने लग जाएंगी तो खुद क्या कमाएंगी? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनके बारे में युवाओं को जरूर सोचना चाहिए।

ऑनलाइन गेम्स, जुआ, सट्टा वाले ऐप्स के जाल में फंसकर कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं। हाल में ग्वालियर में एक किशोर ने ऑनलाइन गेम में 35,000 रुपए हारने के बाद ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली थी। उसे ऑनलाइन गेम की लत लग चुकी थी। इसी साल जून में राजस्थान के कोटा में एक दंपति ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में 5 लाख रुपए का कर्ज होने की वजह से आत्महत्या कर ली थी। परिवार का मुखिया स्मार्टफोन के जरिए सट्टा लगाने का शौकीन था। मध्य प्रदेश में एक पखवाड़े में तीन ऐसे मामले काफी चर्चा में रहे, जिन्होंने ऑनलाइन गेम के दुष्प्रभावों को उजागर किया था। उनमें तीन लोगों ने रुपए गंवाने के कारण आत्महत्या कर ली थी। सितंबर 2024 में सोशल मीडिया पर एक उद्यमी के मामले ने सबका ध्यान आकर्षित किया था। उसका व्यवसाय काफी अच्छा चल रहा था। एक दिन उसे किसी ऑनलाइन सट्टा ऐप के बारे में पता चला और वह दांव लगाने लगा। उसे शुरुआत में कुछ लाभ हुआ, लेकिन जल्द ही दांव हारने लगा। उसने मालामाल होने के लालच में 60 लाख रुपए गंवा दिए थे! पहले, उसका परिवार काफी खुशहाल था। सट्टा ऐप ने सबकुछ बर्बाद कर दिया। वह उस घड़ी को कोस रहा है, जब उसने अपने मोबाइल फोन में ऐप डाउनलोड किया था। कई छात्र ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी कॉलेज फीस किसी गेमिंग ऐप पर लगा दी और नुकसान होने के कारण गलत कदम उठा लिया। इस साल जनवरी में आईआईटी के एक प्रतिभाशाली छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। बाद में पता चला कि उसने अपनी फीस ऑनलाइन गेम में लगा दी थी, जहां उसे भारी नुकसान हुआ था। अगर वह ऐसे किसी ऐप के चक्कर में न पड़ता और पढ़ाई पर ध्यान देता तो भविष्य में एक अच्छा इंजीनियर बनता। ऐसे अनगिनत मामले हैं, जो बताते हैं कि अगर कोई व्यक्ति मोटी कमाई, मनोरंजन या किसी और मकसद के साथ इन ऐप्स का इस्तेमाल शुरू करता है तो उसे आखिर में नुकसान ही होता है। केंद्र सरकार समय-समय पर ऐसे ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई जरूर करती है, लेकिन सबसे प्रभावी कार्रवाई जनता कर सकती है। इस कार्रवाई का तरीका है- जब भी ऐसा कोई ऐप कमाई का लालच दे, तो अपने मन पर नियंत्रण रखें। अपने फोन में ऐसे ऐप को जगह ही न दें।

ट्वीटर टॉक

आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न सांत्वना बैठकों में शामिल होकर दिवंगत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की व शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त की। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है की वे पुण्य आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें ।

-दीया कुमारी

आज नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति पद के एनडीए उम्मीदवार श्री सी. पी. राधाकृष्णन जी से भेंट कर उन्हें सादर शुभकामनाएँ प्रदान कीं। उनका जीवन जनसेवा की प्रेरक मिसाल रहा है। पूर्ण विश्वास है कि वे उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित होकर राष्ट्रहित में अपनी अमूल्य सेवाएँ देंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

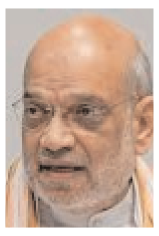

मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय कैबिनेट ने आज छ1507 करोड़ की लागत से कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास को मंजूरी दी। इससे हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का विकास होगा, रनवे के आकार में वृद्धि होगी और अन्य सहायक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को गति मिलेगी।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

मातृभक्ति से राष्ट्रभक्ति

तमिलनाडु के विरुधुनगर में 15 जुलाई, 1903 को कामाक्षी कुमारस्वामी नादेर नामक एक बालक का जन्म हुआ। उसने 4 वर्ष की आयु में पारंपरिक स्कूल में जाना प्रारम्भ कर दिया था। छह वर्ष की अल्पायु में इनके पिता का देहावसान हो गया। पिता की मृत्योपरांत घर के कामकाज और खर्च का बोझ इनकी मां पर आन पड़ा। माता की यह दयनीय स्थिति देख, बालक कामाक्षी कुमारस्वामी ने मां को घर के काम में सहायता हेतु अपनी पढ़ाई छोड़ दी। थोड़ा बड़ा हुआ तो बाल गंगाधर तिलक द्वारा चलाये जा रहे होम रूल आंदोलन में भाग लेना शुरू कर दिया। भारत की आज़ादी हेतु पूर्णकालिक राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ-साथ 1946 में कामाक्षी कुमारस्वामी भारत के संविधान सभा के लिए चुने गए। लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में अहम योगदान देने वाला मातृभक्त और राष्ट्रभक्त बालक यह कामाक्षी कुमारस्वामी ही नादेर के कामराज थे। जिनके नाम से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी बनी थी। देश सेवा के जज्बे में इनका कम पढ़ा-लिखा होना कभी आड़े नहीं आया।

सामयिक

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है।

देश के सतत विकास की धुरी है अक्षय ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्टस शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है।

भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है।

भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

नजरिया

साझेदारी और बराबरी से ही टिकेगा आधुनिक विवाह

डॉ. प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

आधुनिक जीवनशैली ने जहाँ रिश्तों में नए अवसर खोले हैं, वहीं कई नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं। शिक्षा, रोजगार और तकनीक ने महिलाओं को पहले से अधिक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाया है। आज की महिला घर के दायरे से निकलकर नौकरी, व्यवसाय और प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक सक्रिय रूप से पहुँच रही है। लेकिन विडंबना यह है कि घर की दहलीज़ के भीतर उसकी स्थिति उतनी नहीं बदली जितनी बदलनी चाहिए थी। अधिकांश परिवारों में अभी भी घरेलू कार्यों की जिम्मेदारी लगभग पूरी तरह से महिलाओं पर ही डाल दी जाती है। इस समस्या का एक नया और चिंताजनक रूप सामने आया है – पति द्वारा घरेलू कामों में जानबूझकर अयोग्यता दिखाना। इसे पश्चिमी समाज में वेपनाइज्ड इनकंपिटेंस कहा जाता है, जिसका सीधा अर्थ है कि पति जानबूझकर घरेलू काम बिगाड़कर यह जताता है कि वह इन कार्यों में सक्षम ही नहीं है। नतीजतन पत्नी को ही दोबारा सब कुछ करना पड़ता है और धीरे-धीरे घर का पूरा बोझ उसी के कंधों पर आ जाता है।

कल्पना कीजिए कि पत्नी कहती है कि रसोई में सब्ज़ी बनाओ। पति नमक इतना डाल देगा कि खाना खाने लायक ही न रहे। या फिर कपड़े धोते समय वह रंगीन और सफेद कपड़े एक साथ डाल देगा ताकि वे खराब हो जाएँ। बच्चे को होमवर्क कराने की जिम्मेदारी मिले तो वह आधे मन से बैठकर बच्चा और उलझा दे। ऐसे मामलों में वह बाद में सहजता से कह देता है – देखो, मुझसे नहीं होता, तुम ही कर लो। इस तरह बार-बार की गई ऐसी घटनाएँ पत्नी को मजबूर कर देती हैं कि वह सब कुछ स्वयं संभाले। यह प्रवृत्ति केवल आलस्य का रूप नहीं है, बल्कि मानसिकता की गहराई में छिपा हुआ लैंगिक भेदभाव है। समाज ने सदियों से यह धारणा बना दी है कि घरेलू काम महिलाओं का दायित्व है और पुरुष केवल बाहर की जिम्मेदारियों तक सीमित हैं। लेकिन आज के समय में जब महिलाएँ बाहर भी बराबर की जिम्मेदारी उठा रही हैं, तब यह तर्क न तो न्यायसंगत है और न ही स्वीकार्य।

कोरोना महामारी और लॉकडाउन के दौरान यह स्थिति और स्पष्ट होकर सामने आई। जब दफ्तर घरों में सिमट गए, बच्चे पूरे समय घर में रहने लगे और बाहर से सहायक मिलना बंद हो गया, तब लाखों परिवारों में यह देखा गया कि महिलाओं पर काम का बोझ कई गुना बढ़ गया। वे दिनभर ऑनलाइन मीटिंग्स में भी थीं और साथ ही तीन वक्त का खाना बनाने, बच्चों को पढ़ाने, सफाई करने और बुज़ुर्गों की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी निभा रही थीं। पति जहाँ तक संभव हुआ, इन जिम्मेदारियों से बचते रहे और बहाना यही रहा कि वे घर के कामों में उतने माहिर नहीं हैं। इस परिस्थिति ने कई रिश्तों में तनाव को जन्म दिया और कई परिवारों में तलाक और अलगाव की घटनाएँ बढ़ीं। महिलाएँ अब पहले जैसी स्थिति में चुपचाप समझौता नहीं कर रही हैं। शिक्षित और आत्मनिर्भर होने के कारण वे बराबरी की मांग कर रही हैं। उनके लिए विवाह अब केवल परंपरा निभाने का नाम नहीं है, बल्कि एक साझेदारी है। इस साझेदारी का अर्थ है कि दोनों साथी मिलकर घर की जिम्मेदारियाँ बाँटें। जब पति जानबूझकर अयोग्यता दिखाता है तो यह सीधे-सीधे पत्नी के आत्मसम्मान और मानसिक स्वास्थ्य पर चोट करता है। कई बार यह स्थिति डिप्रेशन, चिंता और थकान का कारण बन जाती है।मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह प्रवृत्ति रिश्तों को नुकसान पहुँचाती है। रिश्ता तभी मजबूत होता है जब उसमें बराबरी और विश्वास का भाव हो। यदि एक पक्ष बार-बार जिम्मेदारी से भागे और दूसरा पक्ष मजबूरी में सब कुछ ढोता रहे तो धीरे-धीरे नाराज़गी, कड़वाहट और दूरी बढ़ जाती है। पत्नी को लगता है कि उसकी मेहनत को महत्व नहीं दिया जा रहा और पति को लगता है कि वह अपनी सुविधा से बच निकला है। यह असंतुलन लंबे समय तक नहीं चल सकता। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस विषय पर शोध हुए हैं। अमेरिका, कनाडा और यूरोप के कई समाजशास्त्रीय अध्ययनों में पाया गया है कि घरेलू कार्यों का असमान वितरण तलाक का एक बड़ा कारण है। भारत में भी यही प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। बदलते शहरी जीवन, दोहरे रोजगार और छोटे परिवारों की पृष्ठभूमि में महिलाएँ अधिक मुखर हो रही हैं और बराबरी की मांग खुलकर रख रही हैं। इस समस्या का समाधान केवल कानून या सामाजिक दबाव से नहीं निकलेगा, बल्कि यह पति-पत्नी के आपसी संवाद और समझदारी से ही संभव है। पुरुषों को यह समझना होगा कि घरेलू कार्य केवल साधारण काम नहीं हैं, बल्कि वे परिवार की नींव को मजबूत रखते हैं। यदि रसोई का काम, बच्चों की पढ़ाई या घर की सफाई समय पर और ठीक से न हो तो घर का वातावरण बिगड़ जाता है और तनाव बढ़ता है। इसलिए इन्हें हल्के में लेना या केवल महिला पर थोपना उचित नहीं। इसी तरह महिलाओं को भी यह ध्यान रखना चाहिए कि वे बिना कहे हर जिम्मेदारी अपने ऊपर न लें। कई बार महिलाएँ यह सोचकर चुप रह जाती हैं कि वह नहीं करेगा तो मुझे ही करना होगा। धीरे-धीरे यह पैटर्न स्थायी हो जाता है और पति जिम्मेदारी से बचने का आदी बन जाता है। इसलिए आवश्यक है कि शुरुआत से ही दोनों के बीच काम बाँटने की आदत विकसित हो।

शिक्षा प्रणाली और सामाजिक अभियानों में भी यह संदेश देना होगा कि घरेलू कार्य किसी एक लिंग की जिम्मेदारी नहीं हैं। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना होगा कि लड़का और लड़की दोनों बर्तन धो सकते हैं, खाना बना सकते हैं और घर का हर काम कर सकते हैं। जब यह सोच बचपन से पनपेगी तभी आने वाली पीढ़ी में असमानता घटेगी। समाज को यह भी स्वीकार करना होगा कि घरेलू कार्यों की भी आर्थिक और सामाजिक कीमत है। यदि कोई महिला या पुरुष दिनभर घर के काम कर रहा है तो वह भी उतनी ही मेहनत कर रहा है जितना कोई नौकरी करने वाला। इसे केवल महिला का काम कहकर कमतर आँकना अन्यायपूर्ण है।

पति द्वारा घरेलू कार्यों में अयोग्यता दिखाना केवल व्यक्तिगत रिश्तों को नहीं तोड़ता, बल्कि यह समाज में असमानता और अन्याय को भी गहरा करता है। यदि आधुनिक विवाह को टिकाऊ और मजबूत बनाना है तो यह मानसिकता बदलनी ही होगी। साझेदारी और बराबरी ही आज के समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है। अंततः यही कहा जा सकता है कि विवाह केवल साथ रहने का अनुबंध नहीं है। यह एक ऐसा बंधन है जिसमें दोनों साथी मिलकर एक-दूसरे की खुशियों और कठिनाइयों को साझा करते हैं। यदि पति जिम्मेदारियों से बचने के लिए अयोग्यता का बहाना बनाएगा तो यह रिश्ते को खोखला कर देगा। इसके विपरीत यदि वह बराबरी से जिम्मेदारी उठाएगा तो न केवल रिश्ते में विश्वास और प्रेम बढ़ेगा, बल्कि परिवार भी खुशहाल और सशक्त बनेगा। इसलिए अब समय आ गया है कि समाज इस प्रवृत्ति को सामान्य मानने के बजाय इसे चुनौती दे। महिलाएँ बराबरी की हकदार हैं और पुरुषों को बराबरी से जिम्मेदारी निभानी होगी। तभी आधुनिक विवाह वास्तव में सफल और टिकाऊ बन पाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

आगामी फिल्म 'सिला' की टीम का मंगलवार को श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया।

पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 706 हुई

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने मंगलवार को कहा कि बारिश से संबंधित घटनाओं और बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 706 हो गई है। इस बीच, सेना ने बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत अभियान तेज कर दिया है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने अपने नवीनतम आंकड़ों में बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान कम से कम 24 और लोगों की मौत हो गई, जिससे 26 जून से अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 706 हो गई है। बाढ़ संबंधी घटनाओं में घायलों की संख्या बढ़कर 965 हो गई है। एनडीएमए के मुताबिक, खैबर-पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां अब तक 427 लोग मारे गए हैं, इसके बाद पंजाब प्रांत में 164, सिंध में 29, बलूचिस्तान में 22, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 56 और इस्लामाबाद क्षेत्र में आठ लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान के 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने मंगलवार को कहा कि सेना ने राहत अभियान तेज कर दिया है, खैबर-पख्तूनख्वा में नौ शिविरों के माध्यम से 6,903 लोगों को बचाया गया है और उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान की गई ।

रजनीकांत की 'कुली' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम, 5 दिन में 400 करोड़ से ज्यादा की कमाई

मुंबई/एजेन्सी

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत के लाखों फैंस हैं। उनका हर अंदाज, हर डायलॉग और हर एक्शन उनके चाहने वालों के दिलों में बस जाता है। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'कुली' का क्रेज फैंस के बीच साफ देखने को मिल रहा है। आप इस बात से भी अंदाजा लगा सकते हैं कि सुबह-सुबह के शो भी पूरे भरे हुए हैं। फिल्म को रिलीज हुए अभी सिर्फ 5 दिन हुए हैं, और इसने वर्ल्डवाइड कलेक्शन में 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ट्रेड एनालिस्ट के मुताबिक, सिर्फ पांच दिन में फिल्म ने दुनियाभर में 407.90 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। वहीं, भारत में फिल्म ने 245.50 करोड़ रुपए की कमाई की है। ट्रेड एनालिस्टस का मानना है कि अगर दर्शकों का प्यार ऐसे ही बना रहा, तो फिल्म जल्द ही 500 करोड़ के आंकड़े को पार कर सकती है। भारत में 'कुली' को तमिल, तेलुगू, हिंदी और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया गया है। सभी भाषाओं में दर्शक इसे काफी पसंद कर रहे हैं। पहले दिन से ही थिएटरों में लंबी कतारें देखने को मिलीं। गुरुवार को फिल्म ने 65 करोड़, शुक्रवार को 54.75 करोड़, शनिवार को 39.50 करोड़, रविवार को 35.25 करोड़ और सोमवार को 12.15 करोड़ रुपए की नेट कमाई की। भले ही सोमवार को थोड़ी गिरावट देखने को मिली हो, लेकिन कुल आंकड़ों ने इसे साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बना दिया है।

'कुली' एक एक्शन से भरी फिल्म है, जिसमें रजनीकांत के साथ नागार्जुन, श्रुति हासन, सोबिन शाहिर और आमिर खान जैसे कलाकार हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है, जो 'कैथी', 'विक्रम' और 'मास्टर' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की कहानी 'देवा' नामक शख्स की है, जो पहले कुली था, लेकिन अब एक पुरानी हवेली में बोर्डिंग हाउस चलाता है।

इस बीच उसे अपने 30 साल पुराने बचपन के दोस्त राजशेखर की अचानक हुई मौत के बारे में पता चलता है। वह उसकी मौत के पीछे की हकीकत जानने की कोशिश करता है। इस दौरान उसे पता चलता है कि राजशेखर की मौत दिल के दौरे से नहीं हुई है, बल्कि उसकी हत्या हुई है। इसके पीछे एक खतरनाक गैंग का हाथ है, जो तस्करी और गैरकानूनी धंधों में लिप्त है। फिल्म में 'देवा' अपने दोस्त की बेटियों की जिम्मेदारी उठाता है और फिर अपने स्टाइल में बदला लेने निकल पड़ता है। कहानी में थ्रिल, इमोशन और जबरदस्त एक्शन है। खासकर रजनीकांत के फाइट सीन और उनके अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं।

'छोरियाँ चली गाँव' में कृष्णा श्रॉफ का दिल छू लेने वाले अंदाज ने सबका दिल जीता

मुंबई/एजेन्सी

भाई-बहन के प्यार और फैंस के प्रति सम्मान की मिसाल पेश करते हुए, कृष्णा श्रॉफ ने छोरियाँ चली गांव के हालिया एपिसोड में एक ऐसा दिल छू लेने वाला पल रच दिया जिसने सभी का दिल जीत लिया। जहाँ उनकी मुलाक़ात टाइगर श्रॉफ के एक ज़बरदस्त फैन सत्यम से हुई, जिसकी प्रतिभा देख हर कोई दंग रह गया। सत्यम ने टाइगर के सिग्नेचर डांस मूव्स और उनका मशहूर डायलॉग छोटी बच्ची हो क्या इतनी परफेक्शन के साथ पेश किया कि कृष्णा न सिर्फ प्रभावित हुईं, बल्कि भावुक भी हो गईं। जो बातचीत एक सामान्य फैन इंटरैक्शन लग रही थी, वो देखते ही देखते एक बेहद खास और भावनात्मक क्षण में बदल गई। एक बेहद मार्मिक पल में, जिसने वहाँ मौजूद सभी लोगों को अभिभूत कर दिया, कृष्णा ने सत्यम को एक ख़ास ब्रेसलेट उपहार में देने का फ़ैसला किया, जो टाइगर ने उन्हें शो में आने से पहले एक गुड लक चार्म के तौर पर दिया था। यह सिर्फ एक आम एक्सेसरी नहीं थी, बल्कि टाइगर की भावनाओं और आशीर्वाद से जुड़ी एक खास निशानी थी। जब कृष्णा ने यह ब्रेसलेट सत्यम को टाइगर की ओर से दिया, तो उन्होंने न सिर्फ अपने भाई और उसके फैन के बीच एक खूबसूरत पुल बना दिया, बल्कि एक सामान्य मुलाकात को एक यादगार अनुभव में बदल दिया ऐसा अनुभव जो स्टार और उसके चाहनेवाले के रिश्ते को दर्शाता है।

सत्यम के परफॉर्मेंस पर कृष्णा की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी। उन्होंने देखा कि कैसे सत्यम ने टाइगर के ट्रेडमार्क डांस मूव्स को उसी जुनून और सटीकता के साथ पेश किया, जो एक सच्चे फैन में ही होती है। उन्होंने खुले दिल से कहा कि टाइगर खुद भी सत्यम की इस मेहनत और टैलेंट को देखकर दंग रह जाएंगे। सत्यम के प्रदर्शन की सच्चाई और टाइगर के प्रति उनका समर्पण, कृष्णा के दिल को छू गया। उन्होंने पहचाना कि उनके भाई के फैंस उनके काम और शख्सियत के लिए कितना प्यार और सम्मान रखते हैं। कृष्णा की सहज उदारता और एक समर्पित प्रशंसक के लिए ऐसे पल के महत्व को समझने की उनकी सूझबूझ ने वहां मौजूद सभी लोगों को गहराई से प्रभावित किया।

आईएमएफ ने पाकिस्तान सरकार से केंद्रीय बैंक के बोर्ड से वित्त सचिव को हटाने को कहा

इस्लामाबाद/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान सरकार से केंद्रीय बैंक एसबीपी में सुधारों की दिशा में कुछ अहम कदम उठाने के लिए कहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मंगलवार को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईएमएफ ने पाकिस्तान सरकार से 'स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान' (एसबीपी) के निदेशक मंडल से वित्त सचिव को हटाने और डिप्टी गवर्नर के दो रिक्त पदों को तुरंत भरने की सिफारिश की है।

आईएमएफ ने इसके साथ ही कहा है कि बैंकिंग कंपनियां अध्यादेश, 1962 में संशोधन कर संघीय सरकार को वाणिज्यिक बैंकों का निरीक्षण कराने के अधिकार से भी वंचित किया जाए। पाकिस्तान आईएमएफ के सात अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को लागू कर रहा है। उसे मुद्राकोष से करीब एक अरब डॉलर की किस्त तभी मिलती है जब वह निर्धारित शर्तों का पालन करता है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, मुद्राकोष ने दूसरी बार वित्त सचिव को एसबीपी के बोर्ड से हटाने की बात कही है। उसके सुझावों का मकसद पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता को और मजबूत करना है।

वर्ष 2022 में आईएमएफ के दबाव पर पाकिस्तान सरकार ने एसबीपी को पूर्ण स्वायत्तता देने के साथ वित्त सचिव के मतदान अधिकार समाप्त कर दिए थे। हालांकि, वह अब भी बोर्ड में सदस्य बने हुए हैं। आईएमएफ चाहता है कि एसबीपी के बोर्ड से उनकी मौजूदगी भी पूरी तरह खत्म हो जाए।

वर्तमान में तीन डिप्टी गवर्नर पदों में से दो पद खाली पड़े हुए हैं। मुद्राकोष ने कहा है कि ऐसी रिक्तियां लंबे समय तक नहीं रहनी चाहिए क्योंकि इससे नीतिगत निर्णय प्रभावित होते हैं। आईएमएफ का अगला समीक्षा मिशन सितंबर के तीसरे सप्ताह में पाकिस्तान आने की संभावना है।

राम मंदिर का निर्माण 'टाइम-लैप्स' कैमरों में रिकॉर्ड किया गया

अयोध्या (उत्तर प्रदेश)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पांच अगस्त 2020 को आधारशिला रखे जाने के बाद शुरू हुए राम मंदिर निर्माण की पूरी प्रक्रिया को स्थल पर लगाए गए पांच 'टाइम-लैप्स' कैमरों द्वारा रिकॉर्ड किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

'टाइम-लैप्स' कैमरा एक ऐसा कैमरा होता है जो किसी घटना या दृश्य की तस्वीरें बहुत धीरे-धीरे (जैसे हर कुछ सेकंड, मिनट या घंटों में) खींचता है और फिर उन तस्वीरों को जोड़कर एक वीडियो बनाता है।

मैंने जासूसी फिल्में देखकर किरदारों के हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा : नीरू बाजवा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री नीरू बाजवा जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'तेहरान' में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जासूसी फिल्मों ने इस किरदार के लिए उनकी बहुत मदद की। नीरू ने बताया कि किरदार के फिजिकल लैंग्वेज को समझने के लिए उन्होंने ढेरों जासूसी फिल्में देखीं। नीरू ने कहा, मैंने कोई खास रिहर्सल या एक्टिंग नहीं की थी। मैंने सिर्फ जासूसी फिल्में देखकर किरदारों की चाल-ढाल, हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा। इस सहज तरीके से उन्हें सेट पर स्वाभाविक अभिनय करने में मदद मिली, जिससे उनके किरदार में और भी गहराई आई। नीरू ने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करते हुए कहा, जॉन बहुत विनम्र और सकारात्मक इंसान हैं। उन्होंने सेट पर सभी को सहज रखा, जिससे हमारा काम और भी बेहतर हुआ। उन्होंने जॉन के साथ अभिनय को एक शानदार अनुभव बताया और कहा, जॉन एक बेहतरीन को-एक्टर हैं। उनकी एनर्जी और जोश कमाल है। एक अच्छा को-एक्टर आपके अभिनय को निखारता है और 'तेहरान' में जॉन ने ऐसा ही किया।

नीरू ने फिल्म को चुनने की वजह साझा करते हुए कहा, मेरे किरदार की मजबूती और स्पष्टता ने मुझे आकर्षित किया। यह एक ऐसी महिला की कहानी है, जो मुश्किल हालात में भी सिद्धांतों पर अडिग रहती है। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हूं जो अपने विश्वासों के लिए डटकर खड़ी होती है। उन्होंने 'तेहरान' को एक ऐसी फिल्म बताया जो न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती है। नीरू ने कहा, यह एक साहसी और बेबाक कहानी है, जिसका हिस्सा बनकर मुझे खुशी है। अरुण गोपालन द्वारा निर्देशित फिल्म 'तेहरान' को 'मैडॉक फिल्म्स' ने प्रोड्यूस किया है। वहीं, इसमें जॉन अब्राहम, मानुषी छिल्लर, नीरू बाजवा, मधुरिमा तुली और अभिजीत लाहिरी जैसे स्टार्स शामिल हैं।

दिल्ली फिल्म नीति के तहत फिल्म निर्माताओं के लिए चांदनी चौक और कनॉट प्लेस प्राथमिकता में

नयी दिल्ली/भाषा

राष्ट्रीय राजधानी में फिल्माई जाने वाली लगभग 95 प्रतिशत फिल्मों की शूटिंग चांदनी चौक और कनॉट प्लेस में होती है, लेकिन 2022 में लागू की गई दिल्ली फिल्म नीति के जरिए फिल्मकारों को शहर के अन्य ऐतिहासिक स्थलों की सिनेमाई खोज के लिए प्रोत्साहित करने का लक्ष्य है। दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 2022 में दिल्ली फिल्म नीति के लागू होने के बाद से 2025 में अब तक 39 फिल्मों और वेब सीरीज़ की इसके नियमों के अंतर्गत शूटिंग की गई है। उन्होंने बताया कि अक्षय कुमार की फिल्म केसरी 2 की शूटिंग लाल किला, सुंदर नर्सरी और दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में हुई, जबकि रानी मुखर्जी की मर्दानी की तीसरी कड़ी की शूटिंग भी दिल्ली में हो सकती है। ''मर्दानी'' में दक्षिण दिल्ली के चितरंजन पार्क की गलियों को दिखाया गया था। दिल्ली आधारित लोकप्रिय वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स और पाताल लोक में भी शहर के कई हिस्से प्रमुख रूप से नजर आए थे। अधिकारी ने बताया कि 2025-26 में 'ई-फिल्म क्लियरेंस पोर्टल' के माध्यम से करीब 20 आवेदन मंजूर होने की उम्मीद है। इनमें से कम से कम 15 नए आवेदन 30 दिनों में मंजूर किए जाने की संभावना है। 2024-25 में पोर्टल को 10 आवेदन प्राप्त हुए थे।

'ई-फिल्म क्लियरेंस' प्रणाली को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के 'इंडिया सिने हब' से जोड़ने की योजना भी है और इस पहल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार सामग्री जारी की जाएगी। दिल्ली फिल्म नीति 2022 के तहत दिल्ली का एक पर्यटन स्थल के रूप में प्रचार-प्रसार करने के लिए पांच करोड़ रुपये का 'दिल्ली फिल्म फंड' स्थापित किया गया है। इसके तहत अब तक दो आवेदन परफॉर्मेंस-आधारित फंडिंग के लिए आए हैं। फिल्म सपोर्ट स्टाफ को भी प्रोत्साहन राशि देने की योजना है, जिसकी अंतिम राशि एक समिति तय करेगी। अधिकारी ने कहा कि विरासत और आधुनिक ढांचे के अनूठे मेल और बेहतर समर्थन प्रणाली की वजह से दिल्ली धीरे-धीरे एक लोकप्रिय 'फिल्म डेस्टिनेशन' के रूप में उभर रही है।

अगर एआई हमारी अधिकतर नौकरियां छीन ले, तो पैसे की कमाई नहीं होगी, फिर क्या होगा?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। यह एक युग की निर्णायक प्रौद्योगिकी है। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारे भविष्य को किस प्रकार आकार देगी, यह एक विवादास्पद प्रश्न बना हुआ है। प्रौद्योगिकी के प्रति आशावादी रुख रखने वाले लोग तकनीक को हमारे जीवन में सुधार के रूप में देखते हैं, यह भौतिक समृद्धि से भरे भविष्य का संकेत है। यह परिणाम निश्चित नहीं है। लेकिन अगर एआई का तकनीकी वादा साकार भी हो जाए और इसके साथ ही, जटिल समस्याओं का समाधान भी हो जाए तो उस समृद्धि का उपयोग कैसे किया जाएगा?

हम ऑस्ट्रेलिया की खाद्य अर्थव्यवस्था में इस तनाव को पहले से ही छोटे पैमाने पर देख सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के अनुसार, हम सामूहिक रूप से प्रति वर्ष लगभग 76 लाख टन भोजन बर्बाद करते हैं। यानी प्रति व्यक्ति लगभग 312 किलोग्राम। लेकिन इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया में आठ में से एक व्यक्ति खाद्य असुरक्षा से जूझ रहा है, मुख्यतः इसलिए क्योंकि उसके पास अपनी जरूरत के भोजन का भुगतान करने के लिए पर्याप्त धन नहीं है। यह एआई क्रांति से प्राप्त होने वाले भौतिक समृद्धि के वादे को न्यायोचित रूप से वितरित करने की हमारी क्षमता के बारे में क्या कहता है? एआई हमारे आर्थिक मॉडल को तोड़ सकता है। जैसा कि अर्थशास्त्री लियोनेल रॉबिंस ने आधुनिक बाजार अर्थशास्त्र की नींव रखते समय स्पष्ट किया था, अर्थशास्त्र साध्य (हम क्या चाहते हैं) और सीमित साधनों (हमारे पास क्या है) के बीच संबंधों का अध्ययन है, जिनके वैकल्पिक उपयोग होते हैं।

बाजारों को इस तरह समझा जाता है कि ये सीमित संसाधनों का आवंटन असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिए करते हैं। कमी (या दुर्लभता) कीमतों को प्रभावित करती है अर्थात लोग वस्तुओं और सेवाओं के लिए कितना भुगतान करने को तैयार हैं। और जीवन की आवश्यकताओं के लिए भुगतान करने की आवश्यकता हमें (अधिकतर लोगों को) काम करने के लिए मजबूर करती है, ताकि हम पैसा कमा सकें और और अधिक वस्तुएं तथा सेवाएं उत्पन्न कर सकें। एआई द्वारा समृद्धि लाने और जटिल चिकित्सा, इंजीनियरिंग और सामाजिक समस्याओं के समाधान का वादा इस बाजार तर्क के बिल्कुल विपरीत है। यह सीधे तौर पर इस चिंता से भी जुड़ा है कि तकनीक लाखों कर्मचारियों को बेरोजगार कर देगी। और वेतन वाले काम के बगैर लोग पैसा कैसे कमाएंगे, या बाजार कैसे काम करेंगे? केवल प्रौद्योगिकी ही बेरोजगारी का कारण नहीं है। बाजार की अर्थव्यवस्थाओं की एक अपेक्षाकृत अनूठी विशेषता यह है कि ये स्पष्ट रूप से प्रचुरता के बीच, बेरोजगारी या कम मजदूरी के जरिए, बड़े पैमाने पर जरूरतें पैदा करने की क्षमता रखती हैं।

जैसा कि अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने बताया, मंदी और आर्थिक गिरावट खुद बाजार प्रणाली का ही परिणाम हो सकती है, जिससे बहुत से लोग गरीबी में चले जाते हैं, जबकि कच्चा माल, कारखाने और मज़दूर बेकार पड़े रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया में, हाल ही में जो आर्थिक मंदी आई थी, वह बाजार की विफलता की वजह से नहीं थी। इसका कारण महामारी से उत्पन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट था।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, फिर भी पहले सी मासूमियत बरकरार : श्रीदेवी विजयकुमार

चेन्नई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म 'सुंदरकांड' में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है।बता दें, श्रीदेवी विजयकुमार ने बतौर बाल कलाकार अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, लेकिन प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म 'ईश्वर' में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था।'सुंदरकांड' के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले।श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे। उन्होंने बताया कि जब वे 'ईश्वर' फिल्म कर रहे थे, तभी पूरी टीम को यह अहसास हो गया था कि प्रभास एक बहुत बड़े स्टार बनेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, हम सबको 'ईश्वर' के समय ही पता चल गया था कि प्रभास एक सुपरस्टार बनेंगे। जब हम फिल्म की सक्सेस टूर पर गए थे, तब वहां पर बड़ी भीड़ जमा हो गई थी। प्रभास हमारी उम्मीद से भी बड़े स्टार बन गए हैं। अपनी वापसी और फिल्म 'सुंदरकांड' के बारे में श्रीदेवी ने कहा, मुझे दोबारा फिल्मों में आकर बहुत खुशी हो रही है। हर एक्टर चाहता है कि उसे एक अच्छा किरदार मिले। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत सार्थक है। दर्शक के तौर पर मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई। इसका आउटपुट कमाल का है। यह ताजा और नया कंटेंट है। 'सुंदरकांड' का निर्माण संतोष चिन्नापोल्ला, गौतम रेड्डी और राकेश महंकाली द्वारा संदीप पिक्चर पैलेस (एसपीपी) बैनर के तहत किया जा रहा है।

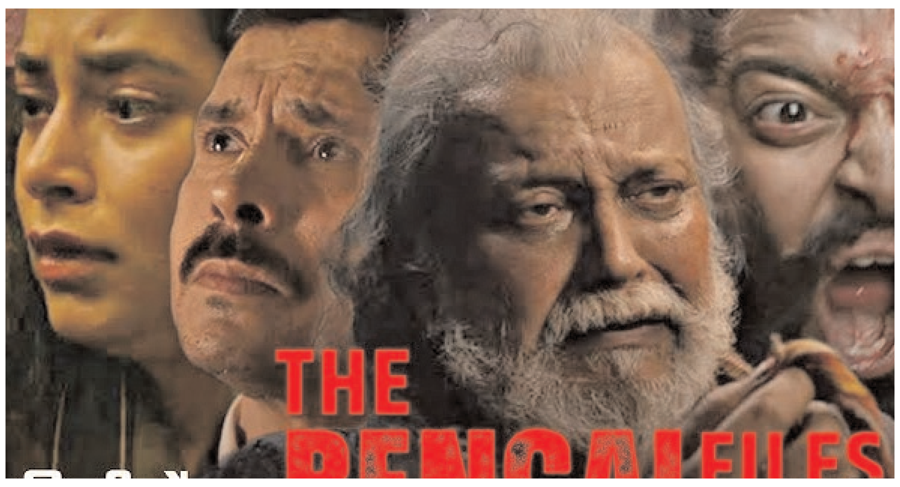

अगर 'द बंगाल फाइल्स' फिल्म रोकी गई, तो कानूनी रास्ता अपनाऊंगा : विवेक अग्निहोत्री

नयी दिल्ली/भाषा

फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोमवार को कहा कि अगर उनकी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' की रिलीज पश्चिम बंगाल में रोकी गई, तो वह कानूनी रास्ता अपनाएंगे। कोलकाता में शनिवार को फिल्म के 'ट्रेलर' 'लॉन्च' में बाधा डाली गई।

अग्निहोत्री ने दावा किया कि पहले एक मल्टीप्लेक्स ने कार्यक्रम रद्द कर दिया और फिर उसे एक होटल में निर्धारित किया गया, जहां बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और पुलिस ने वहां पहुंच कर अनुमति लिए जाने के बारे में पूछताछ शुरू कर दी। फिल्म निर्देशक ने यहां संवाददाता सम्मेलन में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''हम संविधान के अनुसार काम करेंगे। हम कानून के अनुसार चलेंगे। अगर वे हमें रोकते हैं, तो हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे। हम क्या कर सकते हैं? हम भी आपकी तरह आम नागरिक हैं... हम प्रार्थना करेंगे कि सद्बुद्धि आए और राज्य सरकार ऐसा (रिलीज रोकने) न करे।''

'द बंगाल फाइल्स' फिल्म पांच सितंबर को रिलीज होने वाली है, जो 1946 के कलकत्ता दंगों पर आधारित है।

'द कश्मीर फाइल्स' और 'द ताशकंद फाइल्स' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अग्निहोत्री ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म से जुड़े कई विवादों पर भी बात की, जिसमें गोपाल चंद्र मुखर्जी के पोते शांतनु मुखर्जी द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी भी शामिल है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आगम और हमारे साहित्य में एक वचन है कि जन्म के साथ मरण निश्चित है। जहां जन्म है वहां मरण है। दूसरा जवानी के साथ बुढ़ापा भी लगा है।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राताकोट अजमेर के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस पर बेंगलूरु निवासी रूपचन्द-मोनिका कुमट मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर अपने माता पिता की स्मृति में रूपचन्द एवं उनके भाइयों शांतिलाल, अशोक, मुकेश, लालचन्द कुमट ने मिलकर स्कूल में लगभग 2250 वर्ग फीट क्षेत्र में बने प्रार्थना सभागार में टीन शेड का निर्माण करवाकर स्कूल को सौंपा। स्कूल प्रबंधन ने कुमट परिवार का सम्मान किया। ज्ञातव्य है कि इस स्कूल में लगभग 350 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

पर्युषण पर्व की बुनियाद अंतर की खोज है : साध्वी भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। शहर के शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्रसूरी गुरुमंदिर संघ काईपेट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि पर्युषण पर्व की बुनियाद अंतर की खोज है। श्रमण भगवान महावीर का धर्म जीवन शुद्धि का धर्म है। जैन परम्परा में पर्युषण का आठ दिवसीय पर्व मन, वचन एवं काया द्वारा संयम को अपना कर संसार के सभी जीवों के साथ मैत्रीय भाव रखने की प्रेरणा देता है। इन दिनों में सामान्यतः लोग प्रतिदिन के व्यवहार से कुछ निवृत्ति लेकर तप, जप, व्रत, नियम, दान आदि धार्मिक प्रवृत्तियों का अनुसरण करते हैं। इन दिनों व्याख्यानों में महापुरुषों के चरित्रों, वार्षिक कर्तव्यों आदि के द्वारा शुभ प्रवृत्ति की प्रेरणा दी जाकर अंत में संवत्सरी का पवित्र दिवस आता है वास्तव में ये दिन आत्म निरीक्षण के लिए होते हैं। जीवन शुद्धि हेतु अंतरखोज परम आवश्यक है, यही पर्युषण पर्व की बुनियाद है मर्म है। इस हेतु निरंतर चिंतन, मनन करते हुए उसे कार्यान्वित करना आवश्यक है। विशेषकर पर्व के इन दिनों में इन उद्देश्यों को नजर के सामने रखना है। संवत्सरी पर्व का महामंत्र है। साध्वीश्री ने कहा कि भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित अहिसा मात्र मानव तक मर्यादित नहीं है, किन्तु जीव मात्र के प्रति उसकी उपयोगिता है। इसलिए सभी जीवों से क्षमा मांगते हुए मैत्री भाव का उल्लेख किया गया है। क्षमा मांगने के लिए पहले अहम भाव का त्याग कर नम्रता को अपनाना पड़ता है। क्षमा देने में भी उदारता गुण की प्रधानता होती है। इस प्रकार आदर्श मूल्यों की प्रतिष्ठा होने पर ही हम परस्पर क्षमा दे व ले सकते हैं। जिस प्रकार अग्नि को बुझाने के लिए अग्नि नहीं, किन्तु जल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार वैर से वैर कभी समाप्त नहीं होता। कषायों का त्याग करते हुए क्षमा भाव को अंतर में उतारते हुए किये गये अपराधों से पिछे हटने की अंतरखोज करें, तो हमारा जीवन उच्चतम मूल्यों से परिपूर्ण बन सकेगा। संघ के अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने पर्युषण पर्व की जानकारी दी। सुबह भक्तामर का लाभ पुखराज कपूरचंद परिवार, दोपहर में पंचकल्याणक पूजन का लाभ मेहता टाइम्स ने लिया।

इकतीसा जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा मासिक आयोजन इकतीसे का पाठ सरिता डाकलिया के निगोद निवारण तप के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राकेशकुमार, ललित कुमार, शैलेन्द्र कुमार डाकलिया निवास पर सम्पन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि जो कोई गुरुदेव का इकतीसा एक सौ आठ बार जाप करता है उसके कष्ट संकट सभी दूर हो जाते हैं। महामंत्री ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत किया तथा इकतीसे के बारे में जानकारी दी।

ओपनएआई ने भारत में 399 रुपए प्रति माह की 'चैटजीपीटी गो' सदस्यता पेश की

नई दिल्ली/भाषा। ओपनएआई ने भारत में चैटजीपीटी गो की घोषणा की है जिसकी सदस्यता 399 रुपए प्रति महीने से शुरू होती है।

कंपनी ने घोषणा की कि सभी चैटजीपीटी सदस्यता का भुगतान यूपीआई के माध्यम से किया जा सकेगा, जिससे समूचे भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए ओपनएआई के उन्नत एआई उपकरणों तक पहुंच आसान हो जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ओपनएआई, चैटजीपीटी गो की शुरुआत कर रहा है, जो एक नई सदस्यता योजना है। इसे समूचे भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत एआई उपकरणों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए तैयार किया गया है, क्योंकि ओपनएआई के उपकरणों को अपनाने की प्रवृत्ति पूरे देश में तेजी से बढ़ रही है।

नई योजना मौजूदा सदस्यता स्तरों के अतिरिक्त है, जिसमें चैटजीपीटी प्लस (1,999 रुपए प्रति माह) शामिल है। उन पेशेवरों एवं उद्यमों के लिए जिन्हें उच्च पैमाने, अनुकूलन एवं सबसे उन्नत मॉडल तक पहुंच की आवश्यकता है उनके लिए ओपनएआई के पास चैटजीपीटी प्रो (19,900 रुपए प्रति माह) है। भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है।

चैटजीपीटी के उपाध्यक्ष एवं प्रमुख निक टर्ली ने कहा कि ओपनएआई इस बात से प्रेरित है कि भारत में लाखों लोग सीखने, काम करने, रचनात्मकता और समस्या का समाधान तलाशने के लिए प्रतिदिन चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते हैं।

टर्ली ने कहा, चैटजीपीटी गो के साथ हम इन क्षमताओं को और भी अधिक सुलभ बनाने तथा यूपीआई के माध्यम से भुगतान को और भी आसान बनाने के लिए उत्साहित हैं। मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने इस महीने की शुरुआत में कहा था अमेरिका के बाद भारत वर्तमान में ओपनएआई का सबसे बड़ा बाजार है और जल्द ही वैश्विक स्तर पर यह इसका सबसे बड़ा बाजार बन सकता है। ऑल्टमैन ने कहा था, अमेरिका के बाद भारत दुनिया में हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और यह हमारा सबसे बड़ा बाजार बन सकता है।

शरीर पर आसक्ति धर्म और तप आराधना में बाधक : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि अनंत काल से हम भ्रम और झूठ में जी कर यह मान रहे हैं कि यह शरीर अपना है। यह शरीर खून और हड्डी से बनी एक इमारत मात्र है जिसे मौत की आंधी में धराशायी होना है। शरीर पर आसक्ति धर्म और तप आराधना में बाधक बनती है। इस शरीर से हमें अपना भव भ्रमण सार्थक करना है। शरीर की बनावट या रूप पर घमंड अनुचित है। हमारी सुंदरता विनय और विवेक से सुशोभित होती है। हम सौंदर्य प्रसाधनों से बचें।साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि जो शरीर अरिहंत को मिला था, वैसा ही शरीर हमें भी मिला है। उन्होंने धर्म कथा चुनी और हमने विकथा में रस लिया और भव भ्रमण बढ़ा लिया। धन परिवार सभी शरीर के मित्र हैं।

मात्र धर्म आत्मा का मित्र है। हम स्वयं के लिए और सभी के लिए मुक्ति की कामना करें। पर्युषण पर्व प्रमाद छोड़ने की प्रेरणा ले कर आते हैं। चाहे जो मजबूरी हो, हम पर्व आराधना अवश्य करें। प्रवचन सभा में आशाबाई गोलेछा ने 12 एवं साक्षी नाहर व संतोष आच्छा ने 22 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। सभा का संचालन करते हुए संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने दिवंगत साध्वी श्री दर्शनप्रभा जी का जीवन परिचय देते हुए गुणानुवाद कर संघ की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया।

परमात्मा हमारे जीवन रथ के सारथी हैं : मुनि मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि मलयप्रभसागरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हम स्वयं जो भी करते हैं उसी से हमारा जीवन अच्छा और बुरा होता है। एक साधक का परमात्मा प्रभु के प्रति अभिन्न पूर्णतया समर्पण भाव होना चाहिए। परमात्मा हमारे जीवन रथ के सारथी हैं। उनके भरोसे हमारे जीवन की गाड़ी हमें छोड़ देना चाहिए।

इस संसार में जो कुछ भी होता है वह हमारे अच्छे के लिए ही होता है। जब हम गिरते हैं और गिरे हुए ही रहते हैं तब वह हमारे जीवन की अकर्मण्यता है। प्रभु हमें उठाने का कार्य करते हैं। हमें हर आत्मा में परमात्मा के दर्शन करना है। परमात्मा महावीर के अनेकांतवाद को समझना है। एक ही वस्तु को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखना ही अनेकांतवाद अथवा स्यादवाद है। परमात्मा की आज्ञा और एक दृष्टि से वस्तु का स्वभाव ही धर्म है। संतश्री ने कहा कि हमारी आत्मा अभी तक अनंत बार देव, मनुष्य, तिर्यंच और नरक गति में उत्पन्न हुई है लेकिन इसका ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप का गुण हर गति में विद्यमान रहता है, जरूरत है तो सिर्फ इसके ऊपर से कर्मों का आवरण हटाने की। जैन धर्म का क्षमता का पर्व अद्भुत है।

इस जगत के सभी जीवों को हमें मिच्छामि दुक्कड़म कर हमारी आत्मा को हल्का करना है। हमारी आत्मा सदैव ज्ञान गुण से परिपूर्ण है। हमें विभावों से शून्य बनना है। हमें क्षमा गुण से परिपूर्ण होना है और क्रोध से शून्य बन जाना है। हमें परमात्मा महावीर के दर्शन के प्रति पूर्णतया समर्पण भाव रखना है तभी हमारे जीवन में धर्म और आध्यात्मिक की सुवास आएगी। पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस प्रवचन के दौरान कल्पसूत्र घर ले जाकर भक्ति भावना का लाभ दिया जाएगा।

पाप लिमिटेड और पुण्य अनलिमिटेड करने का समय है 'पर्युषण काल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी की निश्रा में दिव्ययशाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति ऊंचाई पर पहुंचना चाहता है, चाहे भौतिक हो या आध्यात्मिक। पर्युषण पर्व आ गया है जिसमें जप-तप द्वारा हम आध्यात्मिक ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं। इन आठ दिनों में हमें धर्म का ध्यान, स्वाध्याय व गुरु आराधना करनी चाहिए ताकि हमारी सोच धार्मिक हो और हम प्रभु की भक्ति में लीन रहें। हमारी सांसारिक वृतियों को मोड़ देने का सुनहरा अवसर है यह पर्युषण पर्व। इन पावन दिनों में हमारे अगले आयु का बंध भी होता है, इसलिए छोटे-छोटे व्रत, नियम, प्रत्याख्यान को अपना कर हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। पर्युषण काल में हमें पाप को लिमिटेड और पुण्य अनलिमिटेड करना है ।ङ्गप्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि सभा में साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी म.सा. के देवलोकगमन पर गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें साध्वियों व श्रद्धालुओं ने दिवंगत साध्वीश्री के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। संघ के अध्यक्ष दीप चन्द भंसाली ने सभी का स्वागत किया। मंत्री पदम चंद बोहरा ने संचालन किया।

शुभ भावों से आत्मा की सिद्धि संभव : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने लेश्याओं (सोच) के शुभ अशुभ परिणामों पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी जीवों में भाव लेश्या परिणामों के साथ बदलती रहती है। सदा शुभ भावों के चिंतन करते हुए अपने व्यक्तित्व को आकर्षक मजबूत बनाया जा सकता है।प्रथम तीन लेश्याएं अप्रशस्त होने के कारण जीव के अधिक पाप कर्म का बंधन करवाती है इसलिए इन तीनों का परित्याग कर देना चाहिए। आखिरी तीन लेश्या तेजो,पद्म और शुक्ल लेश्या जीवात्मा को शुभ गति प्रदान करने वाली है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए। पाज़िटिव सोच व्यक्ति को सभी क्षेत्रों में सफलता का द्वार खोल देती है। उन्होंने आगे कहा कि शुभ कर्मों का फल शुभ होता है और अशुभ कर्मों का फल अशुभ होता है। जैसी मति वैसी गति और जैसे दृष्टि वैसी सृष्टि का सिद्धांत हम सब पर लागू होता है।

प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने भावपूर्ण रचना प्रस्तुत की। अंत में उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी महाराज ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया। इस अवसर पर धर्म सभा में पंजाब, हनुमंतनगर, राजाजीनगर, श्रीरामपुरम, गांधी नगर आदि अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु धर्म सभा में उपस्थित थे। संचालन राजेश मेहता ने किया।

काल आने पर नहीं चलेगी कोई चालः संतश्री ज्ञानमुनिजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आगम और हमारे साहित्य में एक वचन है कि जन्म के साथ मरण निश्चित है। जहां जन्म है वहां मरण है। दूसरा जवानी के साथ बुढ़ापा भी लगा है। तीसरा वैभव, लक्ष्मी, ऐश्वर्य के साथ विनाश भी होता है। इसी प्रकार संसार में सब कुछ अस्थाई है। आज जहां हैं, कल वहां नहीं होंगे। जैसे फूल खिलता है वैसे मुरझाता भी है। मनुष्य चाहे या न चाहे लेकिन जो है वह जाएगा ज़रूर। आज जो है वह निश्चित ही कल नहीं होगा, इसलिए कहा जाता है कि जब सब सही हो तो धर्म के कार्य कर लेने चाहिए। संसार में जीना और मरना आश्चर्य नहीं है।

मुनिश्री ने कहा कि जन्म-मरण इन दोनों के बीच जो कर लिया वह याद रखा जाएगा। । गति के दो पाट होते है और उन पाट के बीच कोई बचता नहीं है। जो मनुष्य धर्म पालन में लीन है, संसार में उसका ही मारना सोचा जाता है। जो धर्म में लगे हैं, संयम में लीन हैं, अपनी इंद्रियों पर काबू किया है उनका मरण भी याद रखा जाता है। ऐसी ही एक महान सती परिपक्व महासती साध्वी दर्शनप्रभा जी हमारे बीच से चली गई। दर्शन प्रभा जी विद्वान थीं। उनकी आवाज बुलंद थी। उनका वर्चस्व था। ऐसी दर्शन प्रभा जी को हम आज याद कर रहे हैं। ऐसे महान लोग देह की नहीं आत्मा की परवाह करते हैं।ऐसी महत्वपूर्ण विदुषी को हमेशा याद किया जाएगा। सभी को तन के बजाय अपनी आत्म का ध्यान रखना चाहिए। आत्मा में रहने वाले को किसी की जरूरत नहीं पड़ती है।

अपने धर्म, ध्यान और साधना से खुद के साथ दूसरों का भी जीवन संवारने का काम करने वालों के जाने के बाद उनका गुणानुवाद किया जाता है।। जब काल आ जाता है तो किसी की सिफारिश काम नहीं आती है। इसलिए मनुष्य को ऐसी बातों से सीखना चाहिए। गुरुदेव ने कहा कि समय आने पर किसी प्रकार की दवा भी काम नहीं आएगी। इसलिए जब तक समय है तो अच्छे कार्य कर लेने चाहिए। सभा का संचालन करते हुए महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने गुणानुवाद करते हुए महासाध्वी दर्शनप्रभाजी को संघ की ओर से श्रद्धांजलि दी । संतोषबाई रातडिया मुथा ने 25 उपवास के पच्छखान ग्रहण किए । सभा में सभी का स्वागत संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया।

विजयनगर में 'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में प्रेक्षा प्रवाह-शक्ति से शांति की ओर के अंतर्गत 'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष महिमा पटावरी ने सभी का स्वागत किया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि आज के युग की व्यापक समस्या है अस्वस्थता।शास्त्रों में अस्वस्थता नौ कारण बताए गए हैं, जिसमें निद्रा भी एक है। अच्छी नींद के लिए हम कायोत्सर्ग, श्वास प्रेक्षा आदि का प्रयोग कर नींद को अपनी ताकत बना सकते हैं। मुख्य वक्ता के रूप में प्रेक्षा प्रशिक्षक एवं साउथ जोन संयोजिका वीणा बैद ने कहा, आज के तनाव भरे युग में हमें अच्छी नींद की आवश्यकता है। जब हम सोते हैं हमारा शरीर पुन: उर्जा प्राप्त कर पुनरउत्सर्जित होती है और यह तभी हो सकता है जब हमारे हारमोंस संतुलित हों। हमारे कुछ हार्मोन्स सूर्योदय के बाद बनते हैं तो कुछ सूर्यास्त के बाद बनते और एक्टिव होते हैं, ऐसे में हार्मोन संतुलन के लिए हमारा समय पर सोना और जगना बहुत महत्वपूर्ण है। मंत्र, अर्द्धमत्सय आसन, मत्सय आसन, उज्जई प्राणायाम, कलर थेरेपी आदि ऐसे कई प्रयोग हैं जिनके द्वारा हम हारमोंस का संतुलन बना सकते हैं। शक्ति केंद्र पर सोने से पहले पीले रंग का ध्यान करने से भी अच्छी नींद आती है।

इसके साथ ही खान पान का ध्यान रखकर भी नींद को संतुलित किया जा सकता है और नींद को हम अपनी ताकत बन सकते हैं।ङ्गसाध्वी मार्दवश्री जी ने भी विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए बताया कि तेजस केंद्र पर नारंगी रंग का तथा ज्योति केंद्र पर सफेद रंग का ध्यान करने से नींद को संतुलित किया जा सकता है। नींद को अपनी ताकत बनाने के लिए अपनी सोच को सकारात्मक रखें। साध्वी रौनकप्रभाजी ने कार्यशाला में निर्देशित मंत्र प्रयोग करवाया। सभी प्रशिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षक एवं साधिका नीता सेठिया एवं शिल्पा दक द्वारा योग एवं प्राणायाम करवाया गया। संचालन सहमंत्री अनीता जीरावला ने किया। मंत्री सरिता छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

मानसिक क्रांति का प्रतीक है पर्युषण पर्व : आचार्य विमलसागरसूरी

आठ दिवसीय पर्युषण महापर्व का शुभारंभ आज

गदग/दक्षिण भारत। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में मंगलवार को पर्युषण महापर्व की भूमिका पर विशेष धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरी ने कहा कि पर्युषण महापर्व के दौरान परस्पर क्षमा की भावना, जिनेश्वर देव की विशेष पूजा-अर्चना, सहधर्मी की सेवा-भक्ति, विविध प्रकार की तपश्चर्या, एक निश्चित अवधि तक प्रतिज्ञापूर्वक साधु के समकक्ष सात्विक जीवन जीना यानी पौषध व्रत, ज्ञान की पूजा, गुरुवंदना, साधु-संतों की सुश्रुषा, संघपूजा, ब्रह्मचर्य की परिपालना, सामायिक के रूप में समभाव की साधना, पाप प्रवृत्तियों के प्रायश्चित के रूप में सवेरे-शाम प्रतिक्रमण, दान, जीवदया, धर्मशास्त्र श्रवण, कषायों का निर्मूलन आदि अनेकविध सत्प्रवृत्तियों द्वारा आठ दिन सुंदर धार्मिक-आध्यात्मिक जीवनयापन करना होता है। अहिंसा पर्युषण पर्व का भावना पक्ष है, जबकि संयम इसका क्रियापक्ष ।

धर्मशास्त्रों का निर्देश है कि सामान्यतया पर्युषण में व्यापार-उद्योग, उत्पादन, लेन-देन, यात्रा, आवागमन, भवन निर्माण, विध्वंस,

रंगरोगान, विवाह, भोजन समारंभ, जश्न, दलन-पिसन, खंडन आदि कोई भी हिंसाजन्य प्रवृत्तियां नहीं करनी चाहिए।ङ्गआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पर्युषण जैन श्रमण संस्कृति का सर्वाधिक लोकप्रिय आध्यात्मिक पर्व है। यह श्वेतांबर परंपरा में आठ दिन का और दिगंबर परंपरा में 10 दिन का मनाया जाता है।

भौतिक-सांसारिक प्रवृत्तियों को छोड़कर आध्यात्मिक साधना-आराधना में निमग्न बनना ही इस पर्व का मूल उद्देश्य है। एक प्रकार से ये ह्रास से विकास की, हिंसा से अहिंसा की, अंधकार से प्रकाश की, पशुता से मानवता की ओर, मरण से अमरता की ओर मंगल यात्रा है। गणि पद्मविमलसागरजी ने पर्युषण पर्व की विस्तार से जानकारी दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com